RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6, अंकः306, सोमवार, 17 नवंबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

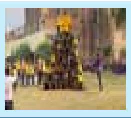
एम.एस. मेमोरियल पब्लिक स्कूल में 25वां सिल्वर जुबली वार्षिक खेल महोत्सव आयोजित 03

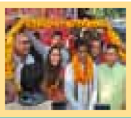
इस्लामपुर में एनडीए की जीतः विधायक रुहैल रंजन का भव्य स्वागत 04

मुझे एक्सपेरिमेंट करना अच्छा लगता हैः ट्विंकल खन्ना 07

एसआईआर ने किया 'कमाल', अब ईसी करेगा 'धमाल'

● बिहार में एसआईआर के बाद अबकी जमकर हुआ मतदान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में मतदाताओं की अब तक की सबसे अधिक उपस्थिति दर्ज की गई। खासकर दो दशकों में पहली बार राज्य में एसआईआर के बाद भारी मतदान ने निर्वाचन आयोग के आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। आयोग अगले चरण में एक दर्जन अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर को लागू करने वाला है, जिनमें अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले राज्य भी शामिल हैं। मतदाताओं की भारी भागीदारी विपक्ष के वोट चोरी वाले आरोपों को कमजोर करती है। कांग्रेस के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया और राहुल गांधी ने राज्य में वोट अधिकार यात्रा भी निकाली। जनता के बीच इसे कोई खास समर्थन नहीं मिला। कांग्रेस के उम्मीदवार केवल 6 सीटों पर जीत पाए। सुप्रीम कोर्ट ने भी विपक्षी दलों और कार्यकर्ताओं की याचिकाओं को खारिज कर दिया था, जिनमें बिहार में एसआईआर को रोकने या रद्द करने की मांग की गई थी। उन्हें डर था कि इससे कमजोर वर्गों और अल्पसंख्यकों के मतदाताओं का मताधिकार छीन लिया जाएगा।

ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी फॉर्च्यूनर, 5 लोगों की मौत

● एमपी के ग्वालियर में गाड़ी काटकर निकालने पड़े शव

मृतकों में एक प्रॉपर्टी कारोबारी का था इकलौता बेटा

ग्वालियर (एजेंसी)। ग्वालियर में तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि फॉर्च्यूनर सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। कार ट्रॉली के नीचे घुस गई, जिसकी वजह से कोई भी यात्री बच नहीं पाया। हादसा ग्वालियर-झांसी हाईवे पर शहर से करीब 20 किलोमीटर पहले रविवार सुबह साढ़े 5 से 6 बजे के बीच हुआ। सभी मृतक ग्वालियर निवासी बताए जा रहे हैं। वे फॉर्च्यूनर में उत्तर प्रदेश के झांसी से एक कार्यक्रम में शामिल होकर ग्वालियर लौट रहे थे। कार जैसे ही मालवा कॉलेज के सामने पहुंची, मोड़ पर रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली सामने आ गई। तेज रफ्तार होने के कारण ड्राइवर, कार को नियंत्रित नहीं कर सका और कार पीछे से ट्रॉली में घुस गई। शव कार और ट्रॉली के बीच बुरी तरह फंसे हुए थे। पुलिस और स्थानीय निवासियों ने कटर मशीन से काटकर शवों को बाहर निकाला।

जोधपुर में ट्रक-टेम्पो की टक्कर में 5 श्रद्धालुओं की मौत

रामदेवरा दर्शन करने जा रहे थे, 12 लोग घायल, सभी जोधपुर रेफर

बालेसर (एजेंसी)। जोधपुर में ट्रक और टेम्पो की टक्कर में 5 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि बच्चों समेत 12 लोग घायल हैं। घायलों को पहले बालेसर के सरकारी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां से जोधपुर के मथुरा दास माथुर हॉस्पिटल के लिए रेफर कर दिया गया। सभी गुजरात के साबरकांठा से रामदेवरा दर्शन करने जा रहे थे। हादसा जोधपुर-जैसलमेर नेशनल हाईवे-125 पर बालेसर (जोधपुर) के पास खारी बेरी गांव में रविवार सुबह करीब साढ़े 5 बजे हुआ। बालेसर थाना प्रभारी मूल सिंह भाटी ने बताया- बालेसर में नेशनल हाईवे-125 पर बाजरे की बोरियों से भरे ट्रक ने टेम्पो को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि टेम्पो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि ट्रक आगे जाकर पलट गया। टेम्पो में आगे बैठे महेंद्र ने बताया- टेम्पो सवार सभी लोग गुजरात के साबरकांठा से रामदेवरा जा रहे थे। टेम्पो में महिलाओं और बच्चों समेत करीब 20 लोग सवार थे।

चंद्रयान-4 करेगा कमाल इसरो ने की है बड़ी तैयारी

● अंतरिक्ष यान का निर्माण होगा तीन गुना, प्लान तैयार

मोदी सरकार ने मिशन चंद्रयान-4 को दे दी है मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष वी. नारायणन ने बताया कि इसरो ने इस वित्त वर्ष में 7 और प्रक्षेपणों की योजना बनाई है। भारत का पहला मानव अंतरिक्ष यान पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 2027 में ही भेजा जाएगा। नारायणन ने कहा कि इसरो विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं उद्योग क्षमता में तेजी से विस्तार के चरण की तैयारी कर रहा है।

● **चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ का अध्ययन**- चंद्रयान-4 चंद्रमा से सैंपल वापस लाने का प्रयास करेगा। यह एक ऐसी क्षमता है जिसका प्रदर्शन अभी तक केवल अमेरिका, रूस और चीन ने ही किया है। लूपेक्स का उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ का अध्ययन करना है। नारायणन ने कहा कि इसरो ने एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन पर काम शुरू कर दिया है जिसे 2035 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

● **मानवरहित मिशनों की समय-सीमा बदली**- भारत के पहले मानव-अंतरिक्ष उड़ान मिशन गगनयान को लेकर नारायणन ने स्पष्ट किया कि केवल मानवरहित मिशनों की समय-सीमा बदली है। उन्होंने कहा, 'मैं यह स्पष्ट कर दूं कि मानवरहित मिशन 2025 के लिए लक्षित था। मानवयुक्त मिशन की योजना हमेशा से 2027 के लिए बनाई गई थी और इस तिथि में कोई बदलाव नहीं किया गया है।' भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों के साथ पहली उड़ान से पूर्व तीन मानवरहित परीक्षण मिशन होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसरो को भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा की सतह पर भेजने और 2040 तक उन्हें सुरक्षित वापस लाने की दिशा में काम करने का भी निर्देश दिया है। भारत की दीर्घकालिक मानव-अंतरिक्ष उड़ान योजना उसे दुनिया की अग्रणी अंतरिक्ष शक्तियों की श्रेणी में खड़ा करती है।

गुजरात में जल्द ही शुरू होगा बुलेट ट्रेन का ट्रायल

● पीएम मोदी ने खुद किया सूरत स्टेशन का निरीक्षण

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना का काम तेजी से पूरा हो रहा है। बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर गुजरात पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी ने बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया था। पीएम मोदी ने सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन पहुंचे थे। अब इसका पूरा वीडियो सामने आया है। गुजरात में सूरत और नववारी के बिलिमोरा के बीच ट्रायल रन शुरू होना है। पीएम मोदी से निरीक्षण से पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव कई बार दौरा करके प्रोजेक्ट की समीक्षा कर चुके हैं। प्रधानमंत्री ने अपने दौरे में सूरत बुलेट ट्रेन का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने वहां पर काम में जुटे इंजीनियरों और कर्मचारियों से भी बातचीत की। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में कुल 12 स्टेशन हैं। गुजरात के हिस्से में काम काफी उन्नत स्थिति में है।

बुलेट ट्रेन पीएम मोदी का 'ड्रीम प्रोजेक्ट'

मुंबई-अहमदाबाद के बीच देश की पहली बुलेट ट्रेन दौड़ाना पीएम नरेंद्र मोदी के बड़े सपनों में एक है। पीएम मोदी ने बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया था। इस परियोजना के पूरे होने से गुजरात के अहमदाबाद समेत अन्य शहरों के विकास में तेजी आने की उम्मीद है। इनमें वडोदरा, आणंद और सूरत शामिल हैं।

इजरायल की तरह हमला करो, नहीं टिक पाएगा पाकिस्तान

● बलूच नेता का भारत को बड़ा ऑफर बताई मुनीर सेना की कमजोर नस

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान एक बार फिर भारत में 1990 के दशक जैसी हिंसा की परिस्थितियां बनाने की तैयारी कर रहा है। दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास बम विस्फोट मामले की जांच में एजेंसियों को पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के लिंक मिले हैं। मामले में हुई कई गिरफ्तारियों में पकड़े गए संदिग्धों के पाकिस्तानी हैंडलर्स से संपर्क की जानकारी सामने आई है। यह इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान बड़ी योजना पर काम कर रहा है। इस बीच बलूचिस्तान के रक्षा विश्लेषकों ने भारत से अब सीधी कार्रवाई की मांग की है। बलूचिस्तान के अधिकार समूह के कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने कहा कि पाकिस्तान का आतंकवाद छोड़ने का कोई इरादा नहीं है और कहा कि भारत को इजरायल की तरह बड़े पैमाने पर निर्णायक कार्रवाई पर विचार करना चाहिए। बलूच कार्यकर्ता ने कहा कि पाकिस्तान भारत एक महीने तक भी भारत के हमले नहीं झेल पाएगा। इसलिए भारत के लिए जरूरी है कि वह पाकिस्तान के आतंकी हमलों से शुरू हुए संघर्ष को निर्णायक रूप से खत्म करे। मीर यार बलूच ने कहा कि भारत को बलूचिस्तान और अफगानिस्तान में आपातकालीन ठिकानों पर खुले तौर पर रक्षात्मक और सैन्य सहायता देनी चाहिए।

आतंकवाद 1989-90 में कश्मीर से शुरू हुआ

● शशि थरूर बोले-अब दिल्ली-मुंबई तक फैल गया

श्रीनगर (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा रविवार को कहा, आतंकवाद 1989-90 में कश्मीर से शुरू हुआ और धीरे-धीरे मुंबई, पुणे, दिल्ली तक फैल गया है। भारत पिछले 30 साल से आतंकवाद से चुनौती झेल रहा है। अब इस पर कठोर और असरदार ऐक्शन की जरूरत है। उन्होंने कहा- हर आतंकी घटना में दो चीजें बेहद अहम होती हैं। यह पता लगाना कि वारदात किसने और क्यों की और ऐसे हमलों को दोबारा होने से रोकने के उपाय। हर मुद्दे को युद्ध और शांति के चश्मे से नहीं परखा जा सकता। आतंकवाद पर सख्ती जरूरी है, लेकिन देश के विकास के बड़े लक्ष्य को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

रूसी क्रूड ऑयल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार भारत

● अक्टूबर माह में 22.17 हजार करोड़ का इम्पोर्ट किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बार-बार आपत्तियों के बावजूद रूस से क्रूड ऑयल यानी कच्चा तेल खरीदना जारी रखा है। अक्टूबर में रूस से 2.5 बिलियन डॉलर (करीब 22.17 हजार करोड़ रुपए) वैल्यू का कच्चा तेल देश में आया, जिससे भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बन गया है। यह जानकारी हेलसिंकी स्थित सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर ने अपनी रिपोर्ट में दी है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन 3.7 बिलियन डॉलर (करीब 32.82 हजार करोड़ रुपए) के इम्पोर्ट के साथ पहले नंबर पर रहा। कुल मिलाकर, रूस से भारत का फॉसिल फ्यूल आयात 3.1 बिलियन डॉलर (करीब 27.49 हजार करोड़) पहुंच गया है, जबकि चीन का कुल आंकड़ा 5.8 बिलियन डॉलर (करीब 51.44 हजार करोड़) रहा। अमेरिकी प्रतिबंध का असर दिसंबर के आंकड़ों में दिख सकता है।

रिलायंस समेत 5 बड़ी कंपनियां रूसी तेल नहीं खरीदेंगी

भारत ने दिसंबर महीने की डिलीवरी के लिए रूस से कच्चे तेल की खरीद में बड़ी कटौती की है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, देश की पांच प्रमुख रिफाइनर कंपनियों ने दिसंबर के लिए कोई नया ऑर्डर नहीं दिया है। यह फैसला अमेरिकी प्रतिबंधों और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ताओं के बीच लिया गया है। अगस्त में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूसी तेल खरीदने के कारण भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया था। इसके बाद उन्होंने रूस की सरकारी तेल कंपनी रोसनेफ्ट और लुकोइल के साथ सभी तरह के लेन-देन को प्रतिबंधित कर दिया।

सीमापार से जुड़े दिल्ली कार विस्फोट के तार!

● जैश ने डॉक्टर्स की टेरर टीम को भेजी थी रकम ● मनी ट्रेल का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में लाल किले के बाहर कार विस्फोट मामले में खुफिया एजेंसियों को एक बड़ी सफलता मिली है। खुफिया एजेंसियों ने तीन डॉक्टरों, उमर, मुजम्मिल और शाहीन से जुड़े 20 लाख रुपये के मनी ट्रेल का खुलासा किया है। सूत्रों ने रविवार को बताया कि यह रकम जैश-ए-मोहम्मद के एक हैंडलर द्वारा हवाला नेटवर्क के जरिये भेजी गई होने का शक है। ऐसा माना जा रहा है कि इस रकम में से करीब 3 लाख रुपये 26 क्विंटल एनपीके उर्वरक खरीदने पर खर्च किए गए, जो खेतीबाड़ी में इस्तेमाल होने वाला नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम बेस्ड केमिकल मिश्रण है, जिससे विस्फोट में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटक भी बनाए जा सकते हैं। अधिकारियों ने आगे बताया कि पैसों को लेकर डॉ. उमर और डॉ. शाहीन के बीच कथित तौर पर मनमुटाव हो गया था।

मुझे गंदा कहा, मारने के लिए चप्पल तक उठाई

● रोहिणी बोलीं-कहते हैं, टिकट-पैसे लेकर गंदी किडनी दी ● लालू की बेटी ने कहा-मैंने बच्चों तक की परवाह नहीं की

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद लालू परिवार में टकराव बढ़ गया है। राजनीति छोड़ने और अपने परिवार से नाता तोड़ने के ऐलान के एक दिन बाद रोहिणी आचार्य ने एक के बाद एक 2 सोशल मीडिया पोस्ट कर तेजस्वी यादव और संजय यादव पर गंभीर आरोप लगाए। आज रविवार सुबह रोहिणी ने एक इमोशनल पोस्ट कर कहा- मुझसे मेरा मायका छुड़वाया गया। मुझे अनाथ बनाया गया।

मैंने रोते-रोते घर छोड़ा है। मुझे मारने के लिए चप्पल उठाई गई। मैंने अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया। आप सब मेरे रास्ते कभी न चलें, किसी घर में मेरे जैसी बेटी-बहन न हो। इस पोस्ट के रोहिणी ने लालू को किडनी देने वाले फोटो-वीडियोज को फेसबुक पर पिन भी किया।

पिता को किडनी देने को गंदा बताया गया- दूसरे पोस्ट में रोहिणी ने लिखा- कल मुझे गालियों के साथ बोला गया कि मैं गंदी हूं और मैंने अपने पिता को अपनी गंदी किडनी लगवा दी, करोड़ों रुपए लिए, टिकट लिया तब लगवाई गंदी किडनी। सभी बेटी -बहन, जो शादीशुदा हैं, उनको मैं बोलूंगी कि जब आपके मायके में कोई बेटा-भाई हो, तो भूल कर भी अपने भगवान रूपी पिता को नहीं बचाएं, अपने भाई, उस घर के बेटे को ही बोलें कि वो अपनी या अपने किसी हरियाणवी दोस्त की किडनी लगवा दे। सभी बहन बेटियां अपना घर-परिवार देखें, अपने माता-पिता की परवाह किए बिना अपने बच्चे, अपना काम, अपना ससुराल देखें, सिर्फ अपने बारे में सोचें। मुझसे तो ये बड़ा गुनाह हो गया कि मैंने अपना परिवार, अपने तीनों बच्चों को नहीं देखा, किडनी देते वक्त न अपने पति, न अपने ससुराल से अनुमति ली। अपने भगवान, अपने पिता को बचाने के लिए वो कर दिया जिसे आज गंदा बता दिया गया। आप सब मेरे जैसी गलती, कभी, न करें किसी घर रोहिणी जैसी बेटी न हो। इससे पहले शनिवार देर रात उन्होंने रोते-रोते राबड़ी आवास भी छोड़ दिया। पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में रोहिणी ने कहा, मेरा कोई परिवार नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

19वीं राष्ट्रीय जंबूरी के लिए स्काउट और गाइड सारण के 54 सदस्यीय टीम का चयन

पटना। 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी के लिए स्काउट और गाइड सारण के 54 सदस्यीय टीम का चयन किया गया है। जिले के 9 विद्यालयों के 54 स्काउट और गाइड 19 वी राष्ट्रीय जंबूरी में सारण का प्रतिनिधित्व करेंगे। चयनित स्काउट एवं गाइड में सेंट्रल पब्लिक स्कूल छपरा, एसएसजी पब्लिक स्कूल मशरक, जिला स्कूल (नवस्थापित), अब्दुल कयूम अंसारी उच्च विद्यालय, उच्च विद्यालय रसलपुरा, उच्च विद्यालय जलालपुर, एमडी उच्च विद्यालय कन्हौली, उच्च माध्यमिक विद्यालय पैगंबरपुर तथा उच्च माध्यमिक विद्यालय उदयपुरा के स्काउट और गाइड शामिल हैं। मौके पर उपाध्यक्ष डॉ० हरेंद्र सिंह, जिला मुख्य आयुक्त हरेंद्र प्रसाद सिंह, जिला आयुक्त (स्काउट) अरूण परासर, कोषाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र भारद्वाज, जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) अमन राज, स्काउट मास्टर प्रमोद कुमार सिंह तथा जिला प्रशिक्षक प्रणव उपस्थित रहे। उपाध्यक्ष डॉ० हरेंद्र सिंह ने कहा कि सारण जिले की यह टीम हमारे स्काउटिंग कार्यक्रम की शक्ति और गुणवत्ता को दर्शाती है। राष्ट्रीय जंबूरी बच्चों के आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को नए आयाम देती है। जिला मुख्य आयुक्त हरेंद्र प्रसाद सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि चयनित सभी प्रतिभागियों पर हमें गर्व है। जंबूरी में भाग लेना बच्चों के लिए जीवनभर याद रहने वाला अनुभव होता है और इससे उनमें अनुशासन, सेवा भावना तथा राष्ट्रीय एकता की भावना और मजबूत होती है। सभी पदाधिकारियों ने चयनित दल को शुभकामनाएँ देते हुए सफल सहभागिता की उम्मीद जताई।

'20 लाख लेकर केस वापस लो, नहीं तो मार देंगे', मुजफ्फरपुर के मनियारी में रेप पीड़िता को धमकी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के मनियारी थाना क्षेत्र में 13 साल की नाबालिग से रेप पीड़िता ने आरोपी के भाई के खिलाफ थाना में आवेदन दिया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी अभिनव का भाई अभिषेक मेरी मां पर लगातार दबाव बना रहा है कि 20 लाख रुपए लेकर केस मैनेज कर लो। केस मैनेज नहीं करने पर मेरी मां को गोली मारकर हत्या की धमकी दी जा रही है। पीड़िता के मुताबिक, रेप के आरोपी के भाई के खिलाफ मनिहारी थाना में आवेदन दिया है और उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने रेप की वारदात को अंजाम दिया था। शिकायत के बाद आरोपी को पुलिस ने जेल भेज दिया था। अब आरोपी का भाई मेरी मां को जहां भी देखता है, कहता है कि 20 लाख रुपए लेकर मामला रफा-दफा करो। केस उठा लो, अगर ऐसा नहीं हुआ तो तुम्हारे परिवार को जान से मार देंगे। डर की वजह से हम लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। आरोपी अभिनव का भाई अभिषेक कहता है कि हमारा कुछ नहीं होगा। चार दिन बाद भाई को जेल से छुड़ा लेंगे। पीड़िता की मां ने बताया कि आरोपी का भाई 20 लाख रुपए लेकर केस मैनेज करने का दबाव बना रहा है। कहता है कि अगर ऐसा नहीं किया तो गोली मारकर हत्या कर देंगे। आरोपी का भाई अभिषेक कुमार शनिवार शाम से धमकी दे रहा है। पुलिस से इस मामले की शिकायत की है। पीड़िता की मां ने कहा कि मैं जहां जाती हूं कि मुझे आरोपी का भाई धमकी देता है। मेरे घर आकर भी धमकी दी थी। डर के कारण मैं घर से बाहर नहीं निकल पा रही हूं। आरोपी के भाई ने पहले ही मेरी बच्ची के साथ गलत किया है, अगर मुझे कुछ हो गया तो मेरे बच्चे क्या करेंगे। मैंने पुलिस से शिकायत की है, आरोपी के भाई को भी जेल भेजा जाना चाहिए।

बेटियों के लिए पहली बार होगी महिला एथलेटिक्स लीग

पटना। महिला एथलीटों को अधिक अवसर और पहचान दिलाने के उद्देश्य से प्रथम अस्मिता खेलो इंडिया महिला एथलेटिक्स लीग का आयोजन 23 नवंबर को यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में किया जाएगा। इस आशय की जानकारी बिहार एथलेटिक्स एसोसिएशन व सारण जिला के अध्यक्ष सलीम परवेज ने दी। उन्होंने बताया कि यह आयोजन दक्षिण एशियाई एथलेटिक्स फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ ललित भनोट, एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया तथा केंद्रीय खेल एवं युवा मंत्रालय के सहयोग से खेलो इंडिया के तहत पूरे देश में हो रहा है। इसके माध्यम से महिलाओं की खेलों में भागीदारी बढ़ाना और कम उम्र में प्रतिभाओं को पहचान देना मुख्य उद्देश्य है। लीग प्रतिभाशाली बेटियों को मंच प्रदान करेगी, जिससे वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकें। सारण में यह लीग पहली बार आयोजित की जा रही है। इसमें अंडर-14 और अंडर-16 आयु वर्ग की लड़कियां भाग लेंगी। सारण जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव गजेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि सारण में पहली बार इस तरह की महिला लीग होना गौरव की बात है। प्रतियोगिता में ट्रायथलॉन और किड्स जैवेलिन जैसे इवेंट होंगे। अंडर-14 के प्रतिभागियों का जन्म 21 दिसंबर 2011 से 20 दिसंबर 2013 के बीच और अंडर-16 वर्ग में 21 दिसंबर 2009 से 20 दिसंबर 2011 के बीच होना अनिवार्य है। केवल जिले की बेटियां ही इसमें प्रतिभाग कर सकेंगी। उन्हें आधार कार्ड और पिछली कक्षा की मार्कशीट लाना अनिवार्य है। प्रतियोगिता का स्थल जयप्रकाश युनिवर्सिटी स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स तय किया किया गया है।

बिहार में जदयू ने जारी किया नया पोस्टर "बिहार है खुशहाल, फिर से आ गए नीतीश कुमार"

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव -2025 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को प्रचंड बहुमत मिलने के बाद अब सरकार बनने की प्रक्रिया तेज हो गई है। इस बीच आज जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक ऐसा पोस्टर जारी किया है, जिसने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है। जदयू के इस पोस्टर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की बड़ी तस्वीर के साथ लिखा है " बिहार है खुशहाल, फिर से आ गए नीतीश कुमार"। कैप्शन में पार्टी ने टिप्पणी की "खुशहाल है बिहार... सुरक्षित है बिहार।" खास बात यह है कि यह पोस्टर ऐसे समय में जारी किया गया है, जब बिहार की राजनीति में सत्ता संतुलन और मुख्यमंत्री पद को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। राजग में सबसे ज्यादा सीटें भाजपा के पास हैं, जबकि जदयू दूसरे नंबर पर है, बावजूद इसके जदयू लगातार नीतीश कुमार को सुशासन का चेहरा और सर्वमान्य नेता बताती रही है। इसलिए इस पोस्टर को पार्टी का एक अप्रत्यक्ष दावा माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह पोस्टर जदयू की ओर से जनता और गठबंधन को यह संदेश देने की कोशिश है कि पार्टी नीतीश कुमार के विकल्प पर विचार करने के मूड में नहीं है। पोस्टर देखने के बाद राजनीतिक विश्लेषकों और जनता के बीच यह सवाल भी उठने लगा कि क्या इसके माध्यम से जदयू यह संकेत दे रही है कि नीतीश कुमार ही एक बार फिर मुख्यमंत्री पद संभालेंगे? दरअसल, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ओर से अबतक आधिकारिक तौर पर मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा नहीं की गई है। गठबंधन में शामिल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जनता दल यूनाइटेड (जदयू), लोक जनशक्ति पार्टी-रामविलास (लोजपा-आर), हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के शीर्ष नेताओं की बैठक जल्द होने वाली है, जिसमें नेतृत्व पर अंतिम फैसला लिया जाएगा, लेकिन जदयू के इस पोस्टर ने औपचारिक निर्णय से पहले ही चर्चाओं का दरवाज़ा खोल दिया है।

'मिस इन्फॉर्मेशन के दौर में विश्वसनीयता बनाए रखना बड़ी चुनौती'

सूचनाओं की बाढ़ में मीडिया की भूमिका और भी महत्वपूर्णः डीएम

एजेंसी, पटना

पटना के समाहरणालय परिसर में आज राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एस.एम. ने कहा कि आज के इन्फॉर्मेशन ओवरलोड के समय में मीडिया की जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। प्रशासन और मीडिया एक-दूसरे के पूरक हैं और स्वस्थ समाज के निर्माण में मीडिया की अहम भूमिका है। जिलाधिकारी ने भारतीय प्रेस परिषद द्वारा दिए गए थीम "सेफगार्डिंग प्रेस क्रेडिबिलिटी अमिड्स्ट राइजिंग मिस इन्फॉर्मेशन" का जिक्र करते हुए कहा कि गलत सूचनाओं के बीच जनता का भरोसा बनाए रखना बहुत जरूरी है।

गलत सूचना को बिल्कुल भी प्लेटफॉर्म नहीं मिलना चाहिए। मीडिया केवल सही और सत्यापित जानकारी जनता तक पहुंचाए। सोशल मीडिया और डिजिटल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के कारण खबरें बहुत तेजी से फैलती हैं, ऐसे में सतर्कता बेहद आवश्यक है। डीएम ने कहा कि कई बार सोशल मीडिया के निजी अकाउंट से गलत खबरें फैल जाती हैं, जिससे जनता भ्रमित होती है और इसका असर बच्चों-युवाओं पर भी पड़ता है। इसलिए मिस इन्फॉर्मेशन को रोकना समय की मांग है।

आपके सुझाव से हमें बेहतर काम करने में मदद मिलती हैः जिलाधिकारी ने आगे कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान मीडिया ने बेहद जिम्मेदारी के साथ काम किया है। प्रशासन हमेशा कोशिश करता है कि सही जानकारी समय पर मीडिया तक पहुंच जाए, ताकि किसी तरह की अफवाह न फैले। मीडिया में बहुत प्रतिस्पर्धा है, लेकिन तेजी के साथ-साथ पुष्टि भी जरूरी है। बिना पुष्टि के किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचना चाहिए। प्रशासन और मीडिया दोनों का उद्देश्य जनहित को बढ़ावा देना है।

गले से सोने की चेन झपटकर भागे बदमाश

एजेंसी, पटना

पटना के कंकड़बाग थाना क्षेत्र में ऑटो स्टैंड से पहले निजी रेस्टोरेंट के पास पैदल राहगीर अभिषेक राज का बदमाशों ने चेन झपट लिया। अभिषेक अपने घर चांदमारी रोड से मोबाइल पर बात करते जा रहे थे। इसी बीच काली रंग की बाइक से 2 नकाबपोश बदमाश पीछे से आए और चेन स्नैचिंग झपटा। हालांकि अभिषेक का हाथ गले पर गया और चेन का आधा हिस्सा इनके पास ही रह गया। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें बदमाश चेन स्नैचिंग कर के भागते नजर आ रहे हैं।

बाइक पर दो नकाबपोश थेः अभिषेक राज ने बताया कि लगभग 8:30 बजे घर से पैदल गली होते हुए कंकड़बाग ऑटो स्टैंड की ओर जा रहा था। मैं रोड के किनारे चल रहा था। इसी बीच एक बाइक पीछे से आई, जिसपर 2 अज्ञात नकाबपोश थे, जिन्होंने चेन झपट लिया, लेकिन मेरा हाथ गले पर अचानक चला

- **टूटकर आधा हिस्सा पीड़ित के पास बचा, फोन पर बात करते पैदल ऑटो स्टैंड की ओर जा रहे थे**

गया। जिसके चलते चेन का कुछ हिस्सा मेरे पास ही रह गया। साढ़े 3 भर की चेन थी। थाने में शिकायत मैंने कर दी है। पुलिस ने सीसीटीवी भी चेक किया है। जिसमें बदमाश दिख रहे हैं। वो भी ऑटो स्टैंड से भागते हुए निकल गए हैं। फिलहाल पता नहीं चल पाया है। थानेदार अभय कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार आगे की कार्रवाई हो रही है।

पटना- पुलिस से मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी घायल

एनएमसीएच में अपराधी भर्ती, बड़ी वारदात करने की फिराक में था

एजेंसी, पटना

खुसरूपुर थाना क्षेत्र के हरदास बीघा स्टेशन रोड पर पुलिस और 25 हजार के इनामी कुख्यात अपराधी मिथुन कुमार के बीच मुठभेड़ हुई। सलीमपुर थाना क्षेत्र के मझौली गांव निवासी मिथुन मुठभेड़ में घायल हो गया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। वह कई संगीन मामलों में वांछित था।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मिथुन अपने साथियों के साथ हरदास बीघा स्टेशन के पास किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। इस सूचना पर वरीय पुलिस अधिकारी के निर्देश पर फतुहा डीएस-2 की टीम और खुशरूपुर थानाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने इलाके की घेराबंदी कर मिथुन को पकड़ने का प्रयास किया। खुद को घिरा देखकर मिथुन कुमार ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में मिथुन के पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। इसके बाद पुलिस ने उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया।

घायल मिथुन को प्राथमिक उपचार के लिए स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए पटना NMCH रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मौके से 7.65 बोर की पिस्टल, मैगजीन और कई जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

जूस पीने के बाद नाबालिग दुकानदार को चाकू से गोदा, पटना में आक्रोशितों ने किया सड़क जाम

एजेंसी, पटना

पटना के जक्कनपुर थाना अंतर्गत दुपुलूआ दुर्गा मंदिर के पास एक नाबालिग जूस दुकानदार को बदमाशों ने चाकू मार दिया। घायल दुकानदार की पहचान सुमन कुमार (15) के तौर पर हुई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दिया। हालांकि मौके पर पहुंचकर पुलिस हालात को सामान्य करने में जुटी हुई है। फिलहाल युवक को PMCH में एडमिट कराया गया है। जहां स्थिति गंभीर बनी हुई है। सुबह लगभग 11 बजे की घटना है। पड़ोसी दुकानदार सन्नी ने बताया कि दो दिन से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। आज सुबह में बाइक से 4 से 5 की संख्या में बदमाश दुकान पर आए। फिर जूस पिया। इसके बाद चाकू मार दिया।

बहन बोली- पड़ोसी ने बताया कि भाई पर अटैक हुआ हैः पीड़िता की बहन मुस्कान ने बताया कि पिता जी घर पर खाना खाने के लिए रुके थे। मैं भी घर पर थी। इसी बीच पड़ोस के भैया ने आकर बताया कि तुम्हारे भाई को किसी ने चाकू मार दिया है।

मौके पर आए तब तक पड़ोस के लोग उसे स्कूटी पर बैठाकर इलाज के लिए भागे। फिलहाल स्थिति गंभीर है। पेट में चाकू लगा है। ASP अभिनव ने बताया कि सुमन कुमार अपने पिता के साथ जूस का ठेला लगाते हैं। इन्हीं को आज अज्ञात 4-5 नाबालिग लड़कों के द्वारा मारपीट की गई और चाकू मार दिया गया। फिलहाल PMCH में सुमन कुमार को एडमिट कराया गया है। कंडीशन स्टेबल है। उनसे

- **स्कूल की क्लास में सीट को लेकर हुआ था विवाद**

पूछताछ के बाद स्पष्ट हो पाएगा कि आखिर किस बात को लेकर विवाद चल रहा था। स्थानीय लोगों ने विवाद के बारे में कुछ भी नहीं बताया है।

क्लास रूम में बैठने को लेकर हुआ था विवादः पीड़ित के मौसी के बेटे भैरव ने बताया कि दयानंद बॉयज स्कूल में पीड़ित पढ़ता है। 9th क्लास का छात्र है। शनिवार को क्लास रूम में बैठने को लेकर विवाद हुआ था। जिन लड़कों से विवाद हुआ था, वो कल भी पीड़ित को खोज रहे थे। आज सुबह सुबह उसकी जूस दुकान पर पहुंचें और घेरकर मारपीट शुरू कर दी, फिर चाकू मार दिया।

नीतीश से मिलने के बाद कुशवाहा, विजय सिन्हा दिल्ली रवाना, चिराग और मांझी भी जा सकते हैं

एजेंसी, पटना

बिहार चुनाव में प्रचंड बहुमत मिलने के बाद NDA सरकार बनाने की कवायद में जुट गया है। रविवार सुबह सीएम हाउस में हलचल है। केंद्रीय राज्य मंत्री और बीजेपी नेता नित्यानंद राय, विजय सिन्हा, रालोमा अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा सीएम हाउस पहुंचे। कुशवाहा ने सीएम से करीब आधे घंटे बात की। वहीं, गांधी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसको लेकर 17 से 20 नवंबर तक आमलोगों के प्रवेश बंद कर दिया गया है।

सूत्रों के मुताबिक, मंत्रिमंडल में हिस्सेदारी को लेकर फॉर्मूला तय हो चुका है और चर्चा अगले पड़ाव की तरफ बढ़ गई है। इसे लेकर उपेंद्र कुशवाहा और डिप्टी सीएम विजय सिन्हा दिल्ली रवाना हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक, चिराग पासवान और जीतनराम मांझी को भी दिल्ली जा सकते हैं। उधर, देरी से पहुंचने पर हरि सहनी को CM हाउस में नहीं एंट्री नहीं मिली।

CM ने कल विधायक दल की बैठक बुलाईः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कल अपने सभी विधायकों को पटना बुलाया है। संभावना जताई जा रही है कि कल शाम तक विधायक दल की बैठक बुलाई जा सकती है। जहां शपथ की तारीख, मंत्रियों के नाम की चर्चा हो सकती है। वहीं कल यानी सोमवार 17 नवंबर को मौजूदा सरकार की आखिरी कैबिनेट होगी। विधानसभा को भंग करने की सिफारिश होगी। इसके बाद राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपेंगे। नई सरकार 18 से 20 नवंबर के बीच शपथ ले सकती है। शपथ ग्रहण में पीएम नरेंद्र मोदी भी शामिल हो सकते हैं। चुनावी सभा में उन्होंने कहा था एनडीए के शपथ ग्रहण में आऊंगा। इसमें भाजपा के बड़े नेता भी रहेंगे।

आज विधायक दल की बैठक आखिरी कैबिनेट मीटिंग

शाह से मिले ललन सिंह, संजय झाः वहीं, शनिवार की रात जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह दिल्ली पहुंचे। वहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और कई बड़े नेताओं से बात की। इससे पहले दोनों जदयू नेताओं ने पटना में मुख्यमंत्री से बात की। भाजपा नेताओं की भी बैठक हुई। मौजूदा 17वीं विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर तक है। 16 नवंबर तक राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू है। रविवार (16 नवंबर) को निर्वाचन आयोग राज्यपाल को 18वीं विधानसभा चुनाव के रिजल्ट से वाकिफ कराएगा। 18वीं विधानसभा के गठन की अधिसूचना जारी होगी।

पटना में विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत

एजेंसी, पटना

पटना सिटी के खाजेकलां थाना क्षेत्र के मुगलपुरा में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। परिजनों ने ससुरालवालों पर दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव बरामद कर मामले की जांच शुरू कर दी है। खाजेकला थाना पुलिस ने मुगलपुरा स्थित एक घर से विवाहिता निशु कुमारी का शव बरामद किया। थाना प्रभारी ने बताया कि उन्हें इस संबंध में एक आवेदन प्राप्त हुआ है और मामले की जांच की जा रही है।

4 साल पहले हुई थी महिला की शादीः मृतक के भाई रिशु कुमार ने बताया कि उनकी बहन निशु कुमारी की शादी लगभग चार साल पहले मुगलपुरा निवासी सोनू कुमार से हुई थी। उनकी एक एक वर्षीय बेटी भी है। रिशु कुमार के अनुसार, निशु के पति सोनू कुमार अक्सर किसी बात को लेकर उनके साथ मारपीट करते थे। रिशु कुमार ने आरोप लगाया कि शनिवार को उन्हें किसी माध्यम से बहन की मौत की सूचना मिली। जब परिवार के लोग निशु के ससुराल पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि निशु का शव कमरे में पड़ा था और कमरे से काफी बदबू आ रही थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ससुराल वालों ने उनकी बहन की मौत की जानकारी उनके परिवार को नहीं दी। रिशु कुमार ने अपने बहनोई सोनू कुमार, ससुर और परिवार के अन्य सदस्यों पर निशु की हत्या का आरोप लगाया है।

वोट देकर 78 लाख लोग बाहर कमाने गए, प्रवासी बोले- यहीं रोजगार दे सरकार

- **ट्रेन में बैठने की जगह नहीं, ठूंस-ठूंसकर जाना मजबूरी**

एजेंसी, पटना

छठ महापर्व को लेकर बिहार आए प्रवासियों का वापस बाहर जाने का सिलसिला जारी है। छठ के अगले दिन से अब तक करीब 78 लाख लोग बिहार से वापस बाहर जा चुके हैं। उत्तर बिहार और सीमांचल के स्टेशनों से 15 दिनों में अब तक करीब 30 लाख बाहर जा चुके हैं। इसका मतलब हर दिन औसतन उत्तर बिहार और सीमांचल से 2 लाख से अधिक यात्री बाहर जा रहे हैं। जबकि पूरे बिहार से औसतन 6 लाख यात्री ट्रेनों में चढ़ रहे हैं।

'ट्रेनों में इतनी भीड़ कि ठूंस-ठूंसकर जाने को मजबूर हैं'- रघुनंदनः प्रवासी मजदूर रघुनंदन ने कहा, 'सरकार बदलने आए थे, लेकिन सरकार फिर से नीतीश कुमार की ही बन गई। उम्मीद थी कि नई सरकार बनेगी। तेजस्वी की बात पसंद आई थी, इसीलिए वोट करने बिहार आए थे। फिर अब धक्के खाते जा रहे हैं।'

बख्तियारपुर के मजदूर विनोद कहते हैं कि 'लालू सरकार बनाने आए थे, लेकिन NDA की बन गई। समस्तीपुर के अमित पंडित कहते हैं, जो वर्तमान सरकार है, यही सही है। पलायन पहले भी हो रहा था, अब भी हो रहा है। ये कोई नई बात नहीं है। बिहार में ना कभी रोजी रोजगार मिला है और ना कभी मिलेगा। यह असंभव है।'

'RJD जीते या बीजेपी, हमें रोजगार चाहिए'- रुस्तमः रेलवे स्टेशन पर MD रुस्तम ने कहा, 'RJD जीते या बीजेपी जीते, सरकार तो किसी का ना किसी का बनेगी ही। चुनाव खत्म हो गया है। अब हम लोगों को रोजगार चाहिए। रूस्तम ने आगे कहा, रूस्तम ने आगे कहा, 'स्पेशल ट्रेन भी नहीं चलाई जा रही है। जो ट्रेन है, इसमें सिर्फ दो बोगी जनरल है। जाने वाले सैकड़ों नहीं, हजारों हैं। सभी इसी में जा रहे हैं। कम से कम सरकार को इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि यहीं पर रोजी रोजगार मिले, ताकि पलायन नहीं करना पड़े।

अब तक 77.62 लाख यात्री बिहार से बाहर गएः समस्तीपुर रेल मंडल से जारी रिपोर्ट के अनुसार, 30 अक्टूबर को सबसे ज्यादा 2 लाख 68 हजार से अधिक यात्री बिहार से बाहर गए। इसके बाद पहले चरण का चुनाव 6 नवंबर को हुआ। इसके महज पांच दिनों में उत्तर बिहार और सीमांचल से करीब 11 लाख परदेसी बाहर चले गए। पिछले साल की तुलना में पिछले पांच दिनों के अंदर उत्तर बिहार और सीमांचल से करीब 35 फीसदी ज्यादा यात्री ट्रेनों में सवार हुए।छठ पर्व से लेकर अब तक 77.62 लाख यात्री बिहार से बाहर जा चुके हैं। तस्वीर मुजफ्फरपुर स्टेशन की है। उत्तर बिहार और सीमांचल के जिलों से 15 दिनों के अंदर 30,92,853 यात्री बाहर गए हैं।

29-30 अक्टूबर को 14 लाख लोग बाहर गएः पूर्व मध्य रेलवे के आधिकारिक सूत्रों की मानें तो छठ के बाद 29 और 30 अक्टूबर को सबसे ज्यादा 14 लाख 31 हजार से अधिक यात्री बिहार से बाहर जाने वाली ट्रेनों के जनरल कोच में चढ़े। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 15 दिनों के अंदर 29 अक्टूबर को सर्वाधिक 7 लाख 16 हजार यात्री बाहर गए, जबकि पहले चरण के चुनाव के दिन सबसे कम 4 लाख 26 हजार यात्री बिहार से बाहर गए।

स्पेशल ट्रेनों का भी परिचालन बढ़ाया- डी आरएम

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान खत्म होने के बाद ट्रेनों में भारी भीड़ देखी जा रही है। रेलवे का अनुमान है कि अगले चार-पांच दिनों तक यह भीड़ रहेगी। लिहाजा, अगले कुछ दिनों तक स्पेशल ट्रेनों का परिचालन जारी रहेगा। छठ पर्व के बाद नियमित ट्रेनों के साथ-साथ स्पेशल ट्रेनों का भी परिचालन किया गया है। चुनाव बाद यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए रेलवे यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा देगा।

– **ज्योति प्रकाश मिश्रा,** डीआरएम, समस्तीपुर

संक्षिप्त समाचार

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग, लाखो का नुकसान

बीएनएम @ बिहारशरीफः' हिलसा नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 23 के कौशिक नगर में रविवार को शॉर्ट सर्किट से एक करकटनुमा घर में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया, जिसमें घर में रखा करीब दो लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया। घटना के समय घर में मौजूद लोग घबराकर बाहर निकले। आग की लपटें उठते ही मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए बाल्टी और पाइप की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक घर के कीमती सामान नष्ट हो चुके थे। आग में आलमारी, कपड़े, बर्तन, राशन, पशु चारा और 10 हजार रुपये नकद सहित अन्य घरेलू सामान जल गया। पीड़ित गौरी यादव के पुत्र विकास कुमार ने बताया कि शॉर्ट सर्किट से आग लगने के दौरान गौरी यादव और उनकी भैंस को भी हल्का बिजली का झटका लगा। घटना की जानकारी मिलते ही विद्युत विभाग ने तुरंत बिजली आपूर्ति बंद कर दी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। पीड़ित परिवार ने हिलसा थाना में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही उन्होंने स्थानीय प्रशासन से उचित मुआवजे की गुहार लगाई है।

विभिन्न मामलों में 11 गिरफ्तार

बीएनएम @ नसंः नवादा। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस ने छापेमारी कर विभिन्न मामलों में 11 फरार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। एसपी अभिनव धीमान ने बताया कि 15 नवंबर को नवादा जिला में पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की गई, जिसमें शराब मामले में दो एवं अन्य मामलों में 09 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। एसपी ने बताया कि नवादा पुलिस इस तरह के क्रुर एवं जघन्य अपराध करने वाले अपराधियों को गिरफ्तार करने एवं सजा दिलाने के लिए लगातार संकल्पित है। अपराध को अंजाम देने के बाद अन्यत्र जगह छुपकर रहने वाले अपराधियों के विरूद्ध पुलिस लगातार आसूचना संकलन कर रही है तथा कार्रवाई के लिए प्रयासरत है। नवादा पुलिस के लिए यह बड़ी सफलता है।

महुआ शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम @ नसंः नवादा। जिले के मेसकौर पुलिस ने 30 लीटर महुआ शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कारोबारी की पहचान मेसकौर निवासी सिवन राय का पुत्र मिथिलेश कुमार के रूप में की गई। बताया जाता है कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि मिथिलेश कुमार के द्वारा शराब की बिक्री की जा रही है। सूचना के आलोक में पुलिस ने उक्त स्थान पर छापेमारी की, जहां से 30 लीटर महुआ शराब के साथ मिथिलेश को गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार कारोबारी के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

जाली प्रमाण पत्र बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

बीएनएम @ जमुई। जमुई पुलिस ने जिले में फर्जी दस्तावेज़ तैयार करने वाले एक सक्रिय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस को मिली गोपनीय सूचना के बाद साइबर थाना टीम ने शनिवार देर शाम खैराडी चौक स्थित जलीयाहा बाबा मार्केट में छापेमारी की। यहां एक जनसुविधा केंद्र के भीतर जन्म प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र और आधार कार्ड जैसे सरकारी दस्तावेज़ों की जालसाजी का काम किया जा रहा था।सूचना की पुष्टि होते ही एसडीपीओ सतीश सुमन के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई, जिसने मौके पर पहुंचकर आरोपियों को धर दबोचा। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी इंटरनेट से जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र के खाली फॉर्म डाउनलोड करते थे। इसके बाद कंप्यूटर, स्कैनर और प्रिंटर की मदद से उनमें झूठी जानकारी भरकर उन्हें असली दस्तावेज़ जैसा बनाते थे। इन्हीं फर्जी प्रमाण पत्रों का उपयोग कर लोगों के आधार कार्ड तक बनवा लिए जाते थे।पुलिस ने मौके से लैपटॉप, प्रिंटर, मोबाइल, स्कैनिंग मशीन, रबर स्टैंप, विभिन्न सरकारी विभागों के फर्जी मुहर, जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र के कई भरे व खाली फॉर्म तथा आधार से जुड़े फर्जी दस्तावेज़ बरामद किए। बरामद सामग्री इस बात का प्रमाण है कि यह गिरोह काफी समय से बड़े पैमाने पर फर्जी दस्तावेज़ तैयार कर रहा था।

एम.एस. मेमोरियल पब्लिक स्कूल में 25वां सिल्वर जुबली वार्षिक खेल महोत्सव आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

शहर के रघुनाथपुर-तुरकौलिया मार्ग पर बालगंगा में अवस्थित एम.एस. मेमोरियल पब्लिक स्कूल में रविवार को भव्य 25वां सिल्वर जुबली वार्षिक खेल महोत्सव अत्यंत उत्साह, ऊर्जा और अनुशासन के साथ आयोजित किया गया। इस समारोह का श्री गणेश स्कूल के चेयरमैन डॉ. सी. बी. सिंह, पैट्रन नीलम सिंह, प्रो-वाइस चेयरमैन डॉ. विभू पराशर व मिसेज प्रो-वाइस चेयरमैन डॉ. खुशबू कुमारी, प्राचार्य सरदार सतनाम सिंह द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर स्वीकार करते हुए एवं मशाल प्रज्वलित कर खेल महोत्सव का शुभारम्भ संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम की सबसे आकर्षक प्रस्तुति रही हाउसवार ग्रैंड परेड, जिसे विभिन्न हाउस कैप्टन एवं स्पोर्ट्स कैप्टन के नेतृत्व में प्रस्तुत किया गया। एक विशेष गर्ल्स ट्रूप ने अपने अद्भुत अनुशासन, ऊर्जा और तालमेल के साथ महिला सशक्तिकरण का प्रेरक संदेश दिया। स्कूल के बालक और बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत की गई ड्रिल परफॉर्मेंस ने दर्शकों से गगनभेदी तालियाँ प्राप्त कीं। छात्रों की एकरूपता, तालमेल और जोश ने खेल भावना का अद्भुत परिचय दिया। प्री-प्राइमरी वर्ग के नन्हे-मुन्नों ने विशेष रनिंग एथलेटिक्स प्रतियोगिता में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। इसके बाद बालिकाओं के बीच एक फ्रेंडली मैच आयोजित किया गया, जिसने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम समारोह के समापन पर सरोज कुमार साह ने उपस्थित सभी अतिथियों, शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन कक्षा 10 की छात्रा सुहानी ने प्रभावशाली ढंग से किया। वहीं कार्यक्रम की सफलता में स्कूल के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा, जिनमें निम्नलिखित सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे। सुमन कुमारी वर्मा, अरविंद कुमार मिश्रा, संजीव कुमार सिंह, प्रिंस कुमार, क़ामेश्वर मिश्रा, बृज भूषण, मोहित कुमार ठाकुर, रितेश कुमार, नम्रता शर्मा, निपु देवी, श्रेया सिन्हा, अंजली कुमारी, प्रियदर्शनी, मोहित कुमार गुप्ता, अहमद तबरेज़ मोबिन, ओमकार नाथ तिवारी, रिंकू कुमार, नेहा कुमारी, उमेश्वर कुमार मिश्रा, गोल्डी कुमारी, मेराज आलम, प्रवीण कुमार, नितेश कुमार सिंह, निखिल, देव प्रकाश कुमार तिवारी, प्रमोद किशोर झा, सौरभ प्रताप, कुमारी प्राची, आनंद कुमार सिंह, कुंदन आज़ाद, ज्ञानेंद्र किशोर पांडेय, गुंनदीप राज, रानू कुमार, प्रियंका वर्मा, मोनिका कुमारी, सोनू सिंह, पूजा कुमारी, प्रगति कुमारी, अंशिका कुमारी, अभिषेक कुमार सिंह, अमीषा कुमारी, कृति कुमारी, रविंद्र कुमार, रुचिरा अग्रवाल, स्नेहा सिंह, कुंदन कुमार, ज्ञानेंद्र किशोर पांडेय सहित अन्य उपस्थित रहे।

जमुई के नवनिर्वाचित विधायक ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

बीएनएम @ जमुई

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में जीत दर्ज करने के बाद जमुई के नवनिर्वाचित विधायक दामोदर रावत ने रविवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से औपचारिक मुलाकात की। इस मुलाकात को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इसमें जमुई के व्यापक विकास को लेकर गहन चर्चा हुई।विधायक दामोदर रावत ने मुख्यमंत्री को क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं और जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों से अवगत कराया। सड़क निर्माण, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, शिक्षा व्यवस्था में सुधार, पेयजल संकट और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने जैसे विषय बैठक के मुख्य केंद्र रहे। मुख्यमंत्री ने सभी सुझावों को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि जमुई की विकास परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी और संबंधित विभागों को आवश्यक

निर्देश दिए जाएंगे।मुलाकात पूरी तरह सौहार्दपूर्ण और सकारात्मक माहौल में सम्पन्न हुई। मुख्यमंत्री ने विधायक को जीत की बधाई देते हुए कहा कि जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में हर संभव सहयोग दिया जाएगा। माना जा रहा है कि यह मुलाकात जमुई में विकास कार्यों को नई गति देने की दिशा में एक अहम कदम साबित होगी।

जिला जनसंपर्क कार्यालय में राष्ट्रीय प्रेस दिवस का आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

निदेशक, सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग के पत्र के आलोक में जिला जन-संपर्क कार्यालय पूर्वी चंपारण मोतिहारी में रविवार को राष्ट्रीय प्रेस दिवस का आयोजन डीपीआरओ ज्ञानेश्वर प्रकाश की अध्यक्षता में किया गया। ज्ञातव्य है कि राष्ट्रीय प्रेस दिवस देश भर में 16 नवंबर को मनाया जाता है। इस कार्यक्रम में विभाग द्वारा निर्धारित विषय (Safeguard Press Credibility Amidst Rising Misinformation) विषय पर संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया के पत्रकारों द्वारा भी अपने वक्तव्य रखे गए। इस अवसर पर जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी ज्ञानेश्वर प्रकाश ने सर्वप्रथम राष्ट्रीय प्रेस दिवस की उपस्थित सभी पत्रकारों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने विषय प्रवेश कराते हुए कहा कि आज प्रेस की विश्वसनीयता अत्यंत ही जरूरी हो गयी है। ज्यों-ज्यों तकनीक विकसित होती जा रही है, लोग उसका सही और गलत दोनों इस्तेमाल कर रहे हैं। तकनीक की वजह से लोग किसी भी व्यक्ति की आवाज निकाल कर या वीडियो अथवा फोटो को टैम्पर कर उसमें छेड़छाड़ कर देते हैं और उस वीडियो को वायरल कर देते हैं। ऐसी परिस्थिति में यह जरूरी है कि यदि ऐसी कोई वीडियो अथवा उससे संबंधित कोई न्यूज प्राप्त हो तो उसे मीडिया हाउस द्वारा सूक्ष्मता से जांच कर ही न्यूज चलायी जाए, साथ ही उसमें संबंधित व्यक्ति की बाइट का भी उपयोग किया जाए, ताकि खबर की विश्वसनीयता बनी रहे और खबर तथ्यपरक बनें न कि भ्रामक हो। इस अवसर पर जिला के वरीय पत्रकारों ने कहा कि प्रेस की विश्वनीयता आज की तारीक में अत्यंत ही जरूरी है, बिना इसके खबर चलाना अपराध की श्रेणी में आता है। इस विषय को जानना अत्यंत ही जरूरी है, विशेष कर उनके लिए जो सोशल मीडिया पर भ्रामक खबर फैलाते हैं। ऐसे यू-ट्यूबर सोशल मीडिया पर व्यूज के चक्कर में भ्रामक तथा तथ्य से परे खबरों को साझा कर देते हैं और उसका दुष्परिणाम देखने को मिलता है। ऐसी परिस्थिति में खबर की विश्वसनीय अत्यंत ही जरूरी है और लोगों को इसके लिए खबर की गहराई तक जाना चाहिए तभी खबर को प्रकाशित करना चाहिए। प्रेस अथवा पत्रकारिता को समाज का दर्पण कहा जाता है। अर्थात पत्रकार वैसी ही खबरों को प्रकाशित करते हैं, जो समाज के बीच आइने की तरह परिलक्षित हो और उसका सकारात्मक असर समाज और आमजन पर पड़े, न कि भ्रामक खबर से वे दिग्भ्रमित हों। इस लिए खबरों की विश्वसनीयता अत्यंत ही जरूरी है और इसके लिए सभी पत्रकारों को भी सजग होकर ही अपनी पत्रकारिता करनी चाहिए।

सदर अस्पताल से जिले के 18 होंठ तालु कटे बच्चे सर्जरी हेतु डंकन हॉस्पिटल रवाना

» रक्सौल में 16 से 21 नवंबर तक कैंप के माध्यम से होगी निःशुल्क सर्जरी
» शल्य चिकित्सा के दौरान अभिभावकों के लिए भोजन व रहने की मिलेगी सुविधा

बीएनएम @ मोतिहारी

जिला सदर अस्पताल परिसर से सिविल सर्जन डॉ. रवि भूषण श्रीवास्तव ने होंठ तालु कटे बच्चों की सर्जरी हेतु रविवार को सुबह 9 बजे एम्बुलेंस से जिले के 18 होंठ तालु कटे बच्चों को डंकन हॉस्पिटल रक्सौल रवाना किया। इस दौरान सिविल सर्जन ने जानकारी देते हुए कहा की 16 से 21 नवंबर तक कैंप का आयोजन होगा। स्वास्थ्य विभाग बिहार सरकार के सहयोग से किया गया है। पूर्व में भी जिले के कई बच्चों का ईलाज हुआ है जो सफल रहा है। उन्होंने बताया की डंकन अस्पताल में शल्य चिकित्सा के साथ ही अभिभावकों के लिए भोजन व रहने की भी सुविधा मिलेगी। सीएस ने कहा की पूर्वी चंपारण जिला से राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य अंतर्गत कार्यरत टीम द्वारा चिन्हित 18 क्लेफ्ट लिप औऱ पैलेट ("फटे होंठ और तालु") बच्चों क़ो एम्बुलेंस के साथ सुबह डंकन अस्पताल, रक्सौल, पूर्वी चम्पारण भेजा गया है। वहीं जिला आरबीएसके डीसी डॉ. शशि मिश्रा ने जानकारी देते हुए कहा की इन बच्चों के साथ एक आयुष चिकित्सक एवं फार्मशीस्ट को भेजा गया है, जो अस्पताल प्रबंधन से समन्वय कर सर्जरी सुनिश्चित करेंगे ।डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन ने कहा कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम गरीब परिवारों के लिए वरदान साबित हो रहा है।आर.बी.एस.के. डी.सी डॉ. शशि मिश्रा ने बताया कि मार्च 2025 में आयोजित कैंप में होठ एवं तालु की सर्जरी हेतु आयोजित डंकन अस्पताल रक्सौल में आयोजित कैंप में जिले के 40 बच्चों की सफलतापूर्वक सर्जरी हुई थीं। वहीं डंकन अस्पताल के लाइजनिंग आफिसर समीर दिग्गल ने बताया की बच्चों एवं सर्जरी हेतु आए बच्चों व अभिभावक का रहना व खाना सर्जरी निःशुल्क चिकित्सा होगी। डॉ. शशि ने कहा की आगे भी कोई बच्चा अगर छुट् गया हो तो आके आरबीएसके जिला कार्यालय में सम्पर्क कर सकते है। उक्त मौके पर डीसीएम नंदन झा, आरबीएसके टीम फार्मासिस्ट, बच्चों के अभिभावक और अस्पताल संस्थान के लोग सहित अन्य उपस्थित रहे।

सुरक्षित शनिवार' पर पर्यावरण संरक्षण की सीख

बच्चों को जानकारी देते शिक्षक

बीएनएम @ गोविन्दपुर

के प्रांगण में 'सुरक्षित शनिवार' कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को व्यवहारिक कौशल से परिचित कराया गया। विद्यालय के शिक्षक अभिषेक कुमार पाण्डेय ने विद्यार्थियों को कागज़ से पैकेट एवं ठोंगा बनाना सिखाया। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की जागरूकता उत्पन्न करना था।इस अवसर पर शिक्षक अभिषेक ने बताया कि बच्चों को केवल भाषणों से नहीं, बल्कि करके सीखने के माध्यम से ही पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि "रोजमर्रा की छोटी-छोटी वस्तुएँ भी यदि पर्यावरण-अनुकूल हों, तो बड़े बदलाव का मार्ग प्रशस्त कर सकती हैं।"कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने उत्साहपूर्वक कागज़ से पैकेट और ठोंगा बनाकर अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया। शिक्षक अभिषेक का मानना है कि इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाती हैं तथा उनमें पर्यावरण संरक्षण की स्वाभाविक भावना विकसित करती हैं।

ट्रेन की चपेट में आने से एक की मौत, परिवार में पसरा सन्नाटा

बीएनएम @ शेखपुरा

रोते बिलखते मृतक के गमगीन परिजन

सदर थाना क्षेत्र के दौल्लू चौक स्थित रेलवे गुमटी पर रविवार की सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक अधेड़ व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान अरियरी प्रखंड के मसोढा गांव निवासी माले नेता प्रकाश मोची के रूप में की गई है। घटना सुबह करीब 9:30 बजे की है। मृतक की पत्नी बेदमिया देवी ने बताया कि वह अपने पति प्रकाश मोची के साथ लखीसराय से ट्रेन से वापस लौटी थीं। शेखपुरा रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद वे अपने घर जा रहे थे। दौल्लू चौक स्थित रेलवे गुमटी के पास किसी काम से प्रकाश मोची ने अपनी पत्नी बेदमिया देवी को एक दुकान के समीप बैठा दिया और खुद कहीं जाने लगे। इसी दौरान गया की ओर जा रही एक पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आने से उनकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर रेल थाना पुलिस हरकत में आई। रेल पुलिस दरोगा सच्चिदानंद के नेतृत्व में पुलिस बल ने तुरंत शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए शेखपुरा सदर अस्पताल भेज दिया। माले नेता प्रकाश मोची की मौत से उनके परिवार में मातम छा गया है। उनकी चार पुत्रियां हैं, जिनमें अनीता, ममता, संगीता और सरिता शामिल हैं। अब इन सभी के सिर से पिता का साया उठ गया है, जिससे परिजनों में गहरा शोक व्याप्त है।

वैशाली के बौद्ध केन्द्रों में नैतिक मूल्यों की जीवंत परंपरा पर डॉ. सतवीर राव का शोध पूरा

बीएनएम @ मोतिहारी

महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के गाँधी एवं शांति अध्ययन विभाग के शोधार्थी डॉ. सतवीर राव (मूल निवासी – बैजापुर ग्राम, मऊ, उत्तर प्रदेश) ने अपना शोधकार्य "बौद्ध दर्शन में नैतिक मूल्य : वैशाली स्थित बौद्ध केन्द्रों का एक अनुभवपरक अध्ययन" सफलतापूर्वक पूर्ण किया है। यह शोध विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभय विक्रम सिंह के निर्देशन में संपन्न हुआ। बौद्ध दर्शन की करुणा, अहिंसा, मैत्री और सम्यक आचरण जैसे मूलभूत सिद्धांतों को केंद्र में रखकर किए गए इस अध्ययन में वैशाली के प्रमुख बौद्ध स्थलों—जैसे वियतनाम, जापान और भारतीय बौद्ध केंद्र, कोल्हुआ स्तूप, विश्वशांति स्तूप, सम्यक दर्शन सह स्मृति स्तूप तथा केसरिया स्तूप—का प्रत्यक्ष अवलोकन शामिल है। स्थानीय नागरिकों, भिक्षुओं, अनुयायियों और पर्यटकों से संवाद के माध्यम से यह समझने का प्रयास किया गया कि बौद्ध नैतिक मूल्य किस प्रकार आज के सामाजिक जीवन में सक्रिय रूप से मौजूद हैं। शोध में पाया गया कि वैशाली के बौद्ध केंद्र आज भी पाँच शीलों—सत्य, अहिंसा, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और मादक पदार्थों से विरति—सहित बौद्ध नैतिकता को व्यवहारिक रूप में आगे बढ़ा रहे हैं। कई भिक्षु समुदाय शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं, जिससे ये केंद्र केवल धार्मिक स्थल नहीं बल्कि नैतिक शिक्षालयों के रूप में भी उभर रहे हैं। अध्ययन के दौरान यह भी उजागर हुआ कि बाहरी देशों द्वारा संचालित बौद्ध केंद्रों की तुलना में भारतीय बौद्ध केंद्र अपेक्षाकृत उपेक्षित हैं, जिसका एक मुख्य कारण स्थानीय समुदाय में कौशल एवं वैकल्पिक अवसरों की कमी है। शोध सुझाव देता है कि यदि इन चुनौतियों का समाधान कर इन स्थलों को रोजगार और पर्यटन के अवसरों के रूप में विकसित किया जाए, तो वैशाली वैश्विक स्तर पर बौद्ध संस्कृति का और भी प्रभावी केंद्र बन सकता है। शोध का निष्कर्ष यह रेखांकित करता है कि बुद्ध के नैतिक मूल्य—प्रज्ञा, शील, समाधि, विपश्यना, सम्यक दृष्टि और अहिंसा—सर्वकालिक हैं और आधुनिक समाज में शांति एवं सद्भाव स्थापित करने की अपार क्षमता रखते हैं। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) सुनील महावर, सह-आचार्य डॉ. जुगल किशोर दाधीच, प्रो. (डॉ.) असलम खान, सहायक आचार्य डॉ. अभय विक्रम सिंह, डॉ. अम्बिकेश त्रिपाठी तथा शोधार्थी के सहपाठियों ने डॉ. सतवीर राव को शुभकामनाएँ प्रेषित कीं और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सोसन्दी गांव में तीन बीघा धान की फसल स्वाहा, मुआवजे की मांग

» पराली जलाने में असामाजिक तत्वों ने की लापरवाही

बीएनएम @ बिहारशरीफ

खेत में जली पराली

रहुई प्रखंड के सोसन्दी गांव में असामाजिक तत्वों की करतूत से पराली जलाने के लापरवाही में तीन बीघा धान जलकर स्वाहा हो गया। किसान की मेहनत पर पानी फिर गया। सोसन्दी गांव के डगर पर स्थित तेलियान खंधा में शनिवार को भीषण आग लगने की घटना हुई। जिसमें तीन बीघा से अधिक क्षेत्र में खड़ी धान की लाल लहाती फसल कुछ ही पलों में जलकर राख हो गया। इस आग लगी की घटना में पट्टाधारी किसान मिथिलेश प्रसाद को आर्थिक संकट से जूझना पड़ रहा है। पीड़ित किसान का कहना है कि जो पट्टे पर खेती कर अपने परिवार का भारण पोषण करते हैं उन्हें घटना का आंखों देखा हाल सुनाया और कहा कि शनिवार की दोपहर में बगल के खेत में कुछ असमाधिक तत्व पराली जला रहे थे। इसी बीच हल्की तेज हवा चल रही थी। पराली से चिंगारी हवा के झोंके के साथ हमारे खेत धान के खेत में जा गिरा ।देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे खेत को अपनी चपेट में लेकर स्वाहा कर दिया ।ग्रामीणों को आवाज लगाई और सभी ने मिलकर आग बुझाने का भरसक प्रयास किया लेकिन तब तक बहुत देर हो गई थी। किसान ने बताया की फसल उनके परिवार के लिए साल भर की आजीविका का एकमात्र सहारा था। कड़ी मेहनत, बीज ,खाद और सिंचाई पर किया गया खर्च सब कुछ पल भर में समाप्त हो गया। उन्होंने जिला प्रशासन, कृषि विभाग से हस्तक्षेप कर मुआवजे की मांग की है। रहुई थानाध्यक्ष ललित विजय ने बताया कि अभी तक पीड़ित किसान की ओर से कोई आवेदन नहीं मिला है ।उन्होंने आश्वासन दिया है कि जैसे ही पीड़ित की ओर से आवेदन आएगा। विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी और दोषियों की पहचान कर उचित कदम उठाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

राजमिस्त्रियों का 10 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

प्रशिक्षण में भाग लेते राजमिस्त्री

बीएनएम @ इस्लामपुर (नालन्दा) बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं एनएसडीसी के द्वारा चयनित अस्ट्रिक सॉल्यूशन के तत्वावधान में भूकंपरोधी भवन निर्माण हेतु राज मिस्त्रियों का 10 दिवसीय प्रशिक्षण प्रखंड मुख्यालय स्थित ई०किसान सभागार में प्रारंभ किया गया | प्रशिक्षण में प्रशिक्षक प्रियांशु रंजन उपाध्याय ने उपस्थित 30 राजमिस्त्रियों को बतलाया कि विगत कुछ दशकों में भारत में निर्माण उद्योग काफी तेजी से बढा है । उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में आवासीय टावर , हाउसिंग सोसायटी , स्कूलों , कॉलेज सहित अन्य कई नई संरचनाओं के निर्माण की भारी मांग बढ़ी है । जबकि अपने देश भारत में निर्माण कार्य के लिए कुशल प्रशिक्षत राज मिस्त्री की संख्या बहुत कम है। राजमिस्त्रियों को भवन संरचना निर्माण का परंपरागत निर्माण भूकंपरोधी भवन निर्माण की सही तकनीकी की जानकारी नहीं है ।उन्होंने कहा कि भूकंप से लोग नहीं मरते बल्कि कमजोर घरों के गिरने से जान माल की अधिक क्षति होती है | साथही चक्रवाती हवा एवं बाढ़ से भी भवनों का काफी नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि सुरक्षित भवन निर्माण की जानकारी के अभाव में ही लोगों तक भवन निर्माण की तकनीकी जानकारी अभियंता एवं राज मिस्त्री ही फैला सकते हैं | इस प्रशिक्षण का उद्देश्य निर्माण श्रमिकों को निर्धारित मानकों के अनुसार कौशल प्रदान करना है और इस तरह उन्हें निर्माण क्षेत्र में अच्छे कैरियर और विकास प्रदान करना है |उन्होंने कहा कि कुशल कारीगर से निर्माण कार्य के गुणवत्ता में काफी सुधार होगा । इस अवसर पर सौरभ कुमार कोऑर्डिनेटर , रौशन कुमार प्रोजेक्ट मैनेजर , प्रियांशु रंजन उपाध्याय ट्रेनर , मो० जियाउद्दीन अध्यक्ष मजदूर संघ इस्लामपुर सहित राज मिस्त्री भी उपस्थित थे।

निष्पक्ष और जिम्मेदार पत्रकारीता ही लोकतंत्र की शक्तिः डीएम

प्रेस दिवस पर पत्रकारों को संबोधित करते डीएम कुंदन कुमार

बीएनएम @ बिहारशरीफः राष्ट्रीय प्रेस दिवस के मौके पर समाहरणालय स्थित न्यू एनआईसी भवन में जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने कहा कि निष्पक्ष और जिम्मेदार पत्रकारीता ही लोकतंत्र की शक्ति है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक सही सूचना को पहुंचाने की जिम्मेदारी प्रेस की है । उन्होंने कहा कि आज डिजिटल युग में सभी चीज बहुत तेज हो गई हैं। सूचना की रफ्तार भी बहुत तेज है। ऐसे समय में सत्यापित और संतुलित खबरें देना मीडिया की भूमिका को और महत्व पूर्ण बनाता है। उन्होंने सभी पत्रकारों और मीडिया प्रतिनिधियों को अच्छे योगदान के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में उपस्थित नगर आयुक्त दीपक कुमार मिश्रा ने कहा कि मीडिया से ही सही जानकारी आम लोगों तक पहुंचती है। समस्याओं के निदान में भी प्रशासन को बहुत मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि कभी ऐसी भी सूचना मीडिया से मिलती है जो प्रशासन की जानकारी में नहीं रहती है, जिस पर प्रशासन त्वरित कार्रवाई भी करती है ।कार्यक्रम में मौजूद पत्रकारों ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये। सूचना के अधिकार ,प्रेस की स्वतंत्रता और सामाजिक जिम्मेदारियां पर भी विशेष चर्चा की गई।

मालगाड़ी की टक्कर से महिला की मौत

बीएनएम @ इस्लामपुर(नालंदा) खोदागंज थाना क्षेत्र में रविवार को एक अज्ञात महिला (55 वर्ष) की मौत हो गयी। वहीं एक युवक जख्मी हो गया। घटना के संबंध में खोदागंज थाना पुलिस ने बतलाया कि पुलिस को सूचना मिली कि खोदागंज उच्च विद्यालय के पूर्व दिशा में रेलवे ट्रैक के पास एक महिला की लाश पड़ी हुई है । पुलिस घटनास्थल पर पहुँच मामले की जाँच की तो पता चला कि मालगाड़ी ट्रेन के टक्कर से महिला की मौत हुई है। दूसरे घटनाक्रम में खोदागंज बाजार में रविवार को बाईक दुर्घटना में एक युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया और युवक के सिर से खून गिरने लगा जिससे वह बेहोश हो गया। इधर घटना की सूचना मिलते ही खोदागंज पुलिस जख्मी को इसलामपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुँचाया। जहा जख्मी युवक का इलाज चल रहा है ।जख्मी युवक खोदागंज थाना क्षेत्र के अर्जुन सेरथुआ सराय गाँव निवासी मनोज तिवारी का पुत्र रंजो कुमार बतलाया जाता है ।

सोनसा पैक्स में धान अधिप्राप्ति का कार्य शुरू

रशीद प्राप्त करते किसान

बीएनएम @ रहुई (नालंदा)

प्रखंड में धान अधिप्राप्ति कार्य धीमी गति से शुरू हुआ है। अभी तक महज पूरे प्रखंड के 16 पैक्सों में से केवल सोनसा पैक्स में खरीदारी प्रारंभ हुई है। प्रखंड के बीसीओ देवव्रत ने जानकारी देते हुए बताया कि अब तक सोनसा पैक्स में किसानों द्वारा कुल 51 क्विंटल धान की खरीद की गई है। उन्होंने कहा कि शेष 15 पैक्स में जल्द ही धान की खरीदारी शुरू की जाएगी। इस वर्ष सामान्य धान की दर 2369 रुपये प्रति क्विंटल तथा उत्तम (ग्रेड-ए) धान की दर 2389 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि इस बार बटाईदार किसान भी पैक्स में धान बेच सकेंगे। जिसमें रैयत किसान अधिकतम 250 क्विंटल और बटाईदार किसान अधिकतम 100 क्विंटल तक धान बेच सकेंगे। किसानों को 48 घंटे में बेची गई धान की राशि खाता पर भेज दिया जायेगा।

इस्लामपुर में एनडीए की जीतः विधायक रुहैल रंजन का भव्य स्वागत

बीएनएम @ एकंगरसराय

फूल मालाओं से स्वागत करते कार्यकर्ता

इस्लामपुर विधान सभा क्षेत्र से एनडीए प्रत्याशी रुहैल रंजन की जीत के बाद गठबंधन के कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जश्न का माहौल है। इस जीत की खुशी में, रविवार को ऐतिहासिक धर्म स्थल औंगारी धाम में नव-निर्वाचित विधायक रुहैल रंजन का भव्य स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं ने उन्हें अंग वस्त्र और फूल-मालाओं से लादकर अपनी खुशी व्यक्त की।स्वागत के बाद, विधायक रुहैल रंजन ने सर्वप्रथम भगवान भास्कर के दरबार में दर्शन किए और पूरे क्षेत्र में अमन-चैन और सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि "विकास पुरुष नीतीश कुमार के नेतृत्व में आज एनडीए गठबंधन को प्रचंड बहुमत मिला है।" उन्होंने आगे कहा कि इस जीत से सिर्फ नालंदा ही नहीं, बल्कि पूरे बिहार में कार्यकर्ता जीत पर झूम रहे हैं। कई जगहों पर मिठाइयों, पटाखों और रंग-अबीरों से खेलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बधाई दी जा रही है।इस जश्न के मौके पर विधायक के साथ सैकड़ों लोगों ने शिरकत की, जिनमें जद (यू) के प्रखंड अध्यक्ष सर्वेश प्रसाद, अधिवक्ता सतीश प्रसाद और कुमार मनोरंजन सिंह, राजीव प्रसाद सिंह, मुखिया प्रतिनिधि संतोष कुमार उर्फ चुन्नू जी, पंकज कुमार, ट्रस्ट के अध्यक्ष रामभूषण दयाल, उपाध्यक्ष बीएन यादव, प्रमोद कुमार, डॉ. संजीव कुमार, नवलकिशोर पांडेय, ई. आशुतोष कुमार, एस के पांडेय, अरुण प्रसाद, संजय प्रसाद, अंकित कुमार, कौशलेंद्र कुमार उर्फ मुनचुन, और पप्पू कुमार समेत कई कार्यकर्ता और गणमान्य लोग शामिल थे।

जनता ने नीतीश को 20 साल के काम का इनाम दिया : निशांत कुमार

नई सरकार की तैयारियां तेज

बीएनएम @ पटना/नालन्दा

निशांत कुमार

बिहार चुनाव में एनडीए को 200 से ज्यादा सीटें मिली हैं और इस बड़ी जीत के बाद गठबंधन में उत्साह साफ दिख रहा है। जदयू के मजबूत प्रदर्शन के बाद पहली बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने खुलकर मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने इस चुनाव में एक बार फिर विकास और स्थिरता को चुना है।निशांत कुमार ने कहा कि वह जनता का दिल से शुक्रिया अदा करते हैं। उनके अनुसार नतीजे उम्मीद से बेहतर रहे और इसका पूरा श्रेय मतदाताओं को जाता है। उन्होंने कहा कि लोगों ने नीतीश कुमार पर 20 साल के काम का भरोसा जताया है और यह जीत उसी मेहनत का इनाम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में भी उनके पिता राज्य को विकास की राह पर आगे ले जाएंगे।इस बार 243 में से 202 सीटें एनडीए के खाते में गई हैं। बीजेपी ने 89, जदयू ने 85, एलजेपी (आर) ने 19, हम ने 5 और राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने 4 सीटें जीतीं। दूसरी तरफ महागठबंधन को सिर्फ 36 सीटें मिलीं, जबकि अन्य दलों को 6 सीटें हासिल हुईं।इधर खबर यह भी है कि नीतीश कुमार ने सभी विधायकों को कल पटना बुलाया है। शाम तक विधायक दल की बैठक होने की संभावना है, जिसमें शपथ ग्रहण की तारीख और मंत्रिमंडल के संभावित नामों पर चर्चा हो सकती है। सोमवार को मौजूदा सरकार की अंतिम कैबिनेट बैठक होगी, जिसमें विधानसभा भंग करने की सिफारिश की जाएगी। इसके बाद नीतीश कुमार राज्यपाल को इस्तीफा सौंपेंगे। नई सरकार 18 से 20 नवंबर के बीच शपथ ले सकती है।इस बीच जदयू नेताओं संजय झा और ललन सिंह की दिल्ली में अमित शाह और जेपी नड्डा से मुलाकात ने राजनीतिक हलचल को और तेज कर दिया है। पटना से दिल्ली तक जारी गतिविधियों ने यह साफ कर दिया है कि एनडीए अपने अगले कार्यकाल की तैयारी में पूरी तरह जुट चुका है।

प्रतियोगिता का उद्देश्य बालिकाओं में खेल के प्रति जागरूकता बढ़ाना : आयोजक

बीएनएम @ हरनौत (नालंदा)

अस्मिता खेलो इंडिया महिला साइक्लिंग लीग सम्पन्न ,पायल और सृष्टि ने जीता स्वर्ण

साइकिल रेस में जीते हुए प्रतिभागियों के साथ संगठन के सदस्य

नालंदा जिला साइक्लिंग एसोसिएशन द्वारा कल्याण विगहा में रविवार को आयोजित अस्मिता खेलो इंडिया महिला रोड साइक्लिंग सिटी लीग उत्साहपूर्वक सम्पन्न हो गई। एसोसिएशन के सचिव प्रमोद कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य बालिकाओं में खेल के प्रति जागरूकता बढ़ाना और साइक्लिंग को ग्रामीण स्तर पर बढ़ावा देना है। लीग को दो आयु वर्ग—अंडर-14 और अंडर-18—में आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने 5 किलोमीटर मास स्टार्ट रेस में अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया।कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन सुबह 9:30 बजे बिहार राज्य साइक्लिंग एसोसिएशन के सचिव डॉ. कौशल किशोर सिंह, अवधेश सिंह, सुरेश सिंह, कल्याण विगहा थाना प्रभारी राजकुमार चौधरी, जिला साइक्लिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष अनील कुमार पांडे एवं सचिव प्रमोद कुमार द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। एसोसिएशन सदस्यों और स्थानीय खेल प्रेमियों की सक्रियता से कार्यक्रम सफल रहा।अंडर-14 जूनियर वर्ग में पायल शांति कुमारी ने 8 मिनट 11 सेकंड में गोल्ड मेडल जीता। रागिनी कुमारी ने 8 मिनट 39 सेकंड में रजत और सुहानी कुमारी ने 9 मिनट 7 सेकंड में कांस्य पदक प्राप्त किया। सीनियर ग्रुप में सृष्टि कुमारी ने 7 मिनट 30 सेकंड में स्वर्ण, प्रीति कुमारी ने 8 मिनट 46 सेकंड में रजत तथा दूसरी प्रीति कुमारी ने 8 मिनट 49 सेकंड में कांस्य पदक जीता। प्रतियोगिता में रिंकू कुमारी, विकेश कुमार, सतनाम कबीर, आस्था प्रकृति, पल्लवी कुमारी, मुस्कान कुमारी, आशा कुमारी, अनिशा कुमारी, आभा सहित 50 से अधिक बालिकाओं ने हिस्सा लिया। आयोजकों का कहना है कि ऐसे आयोजन ग्रामीण प्रतिभाओं को पहचान देते हैं और उन्हें राज्य व राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने का अवसर प्रदान करते हैं।

कोविड अनुग्रह अनुदानः सरकार ने छूटे हुए लाभार्थियों को दिया अंतिम मौका

» 31 मार्च 2022 तक के सभी पात्र आश्रितों की सूची भेजने का निर्देश

बीएनएम @ बिहारशरीफ

कोविड महामारी में जान गबाने वाले व्यक्तियों के आश्रितों को एक बार फिर अनुग्रह अनुदान का लाभ देने का अवसर सरकार दे रही है। जो सभी परिवार जिनके परिजन 31 मार्च 2022 से पहले कोविड संक्रमण के शिकार हुए हैं लेकिन अब तक अनुग्रह अनुदान राशि प्राप्त नहीं हुआ है। अब आवेदन कर सकते हैं। सरकार के उप सचिव ने सभी जिलों के डीएम और सिविल सर्जन को पत्र भेजकर ऐसे पात्र आश्रितों की सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2021- 2022 में कोविड संक्रमण से हुई मृत्यु के आश्रितों को अनुग्रह अनुदान भुगतान से संबंधित आवंटन की मांग काफी विलंब से की गई थी। इसलिए जिन परिवारों के सदस्य 31 मार्च 2022 तक कोविदमें मृत घोषित हुए हैं और अनुग्रह अनुदान नहीं मिला है। उनकी सूची जिला स्तरीय गठित समिति से सत्यापित कर विभाग को भेजी जाए। जिला स्तरीय पदाधिकारी ने बताया कि सभी प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी को ऐसे छूटे हुए आश्रितों की सूची तैयार करने का निर्देश दिया गया है ताकि कोई भी योग्य लाभुक योजना से वंचित न रह सके। कोविद अवधि में जान गंवाने वाले करीब 900 व्यक्तियों के आश्रितों को अनुग्रह अनुदान का भुगतान किया गया है लेकिन सत्यापन प्रक्रिया के दौरान कई आवेदन अस्वीकृत की भी हो गए हैं। केवल वही परिवार आवेदन करें जिनके परिजनों की मृत्यु 31 मार्च 2022 तक कोविड के कारण हुई है।

मासियाडीह में उत्पाद विभाग की टीम पर बदमाशों ने की फायरिंग

» कई विभागों की टीम पहुंचकर की कार्रवाई
» तीन नामजद सहित पांच पर प्राथमिक की दर्ज

बीएनएम @ बिहारशरीफ

खनन विभाग की टीम द्वारा बालू लदा हुआ ट्रैक्टर

बिंद थाना क्षेत्र में अवैध शराबियों की गिरफ्तारी और छापेमारी के लिए उत्पाद विभाग की टीम पहुंची जहां अवैध शराब कारोबारियों ने गोलीबारी करनी शुरू कर दी इस गोलीबारी का आरोप संजय यादव ,अजीत यादव एवं बलराम यादव सहित दो अन्य पर लग रहा है। बिंद थाना क्षेत्र के मसीहा दीह गांव में रविवार को हुई इस घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी। मध्य निषेध विभाग की अपर निरीक्षक श्वेता सिंह के नेतृत्व में अवैध शराब के विरुद्ध टीम का गठन किया गया था ।श्वेता सिंह ने बताया कि टीम ने प्रारंभिक कार्रवाई में एक घर से 20 लीटर चुलाई शराब बरामद की थी लेकिन इसके तुरंत बाद स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई । आधा दर्जन बदमाश मौके पर पहुंचे और बरामद शराब को छीन लिया। उन्होंने बताया कि विभागीय टीम पर करीब आधा दर्जन राउंड फायरिंग भी की गई प्रशासन ने बताया कि विभाग की टीम ने भी जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई । गोली किसी को नहीं लगी ।प्रशासन ने इसे एक अवसर के रूप लेते हुए बहुविभागीय कार्रवाई की है । बिंद थाने की पुलिस मौके पर पहुंचे और बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दिए। बताया गया कि खनन विभाग की टीम ने पहुंच कर कार्रवाई शुरू की जिसमें गांव से ही अवैध बालू से लदे एक ट्रैक्टर को भी जपट कर छापामारी की गई । उन्होंने बताया कि बिजली विभाग की टीम ने भी छाप्रेमारी की और अवैध रूप से तार लगाकर बिजली की चोरी करते हुए और एक हीटर जलते हुए संजय यादव को पकड़ा गया है जिस पर 133631 रुपए जुर्माना किया गया और अजीत यादव पर 59133 फाइन किया गया। बिंद थानाध्यक्ष ने बताया कि पांच लोगों के खिलाफ उत्पाद विभाग में मामला दर्ज कराया है । पुलिस बदमाशों को चिन्हित कर कार्रवाई करने में जुट गई है।

विधानसभा चुनाव : जिले में 68 में से 54 उम्मीदवारों की जमानत जब्त

जन सुराज को बड़ा झटका

बीएनएम @ बिहारशरीफ

बिहार विधानसभा आम चुनाव संपन्न हुए करीब 10 दिन बीत गए। इसके बाद तीन दिन पूर्व मतगणना भी समाप्त हो गया। इस चुनाव में जिले के सात विधानसभा क्षेत्र से कुल 68 प्रत्याशी अपना भाग्य आजमा रहे थे जिसमें अब 54 प्रत्याशियों को अपने जमानत राशि से भी हाथ धोना पड़ गया । मतदाताओं ने केवल विजेता और उपविजेता को ही समर्थन देना ज्यादा उचित समझा। चुनाव के नतीजे के आने के बाद सबसे बड़ा झटका जन सुराज पार्टी को लगा है ।काफी धूमधाम और उत्सवी माहौल में जनसुराज पार्टी जिले में लांच हुई थी। तब लोगों को लगा था की राजनीति में एक नया विकल्प भी सामने आया है। प्रचार- प्रसार भी बहुत जबरदस्त तरीके से हुई लेकिन इसके बावजूद जिले के मतदाताओं ने जनसुराज पार्टी को एक सिरे से खारिज कर दिया । बताया गया कि चुनाव आयोग के अनुसार किसी भी प्रत्याशी को अपनी जमानत राशि बचाने के लिए कुल पड़े मतों का न्यूनतम 16.66 प्रतिशत मत हासिल करना आवश्यक होता है। नामांकन के समय सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को 10000 और अनुसूचित जाति, जनजाति के उम्मीदवारों को 5000 जमा करनी पड़ती है। इस शर्त को पूरा करने के बाद ही प्रत्याशियों को राशि वापस की जाती है। बताया गया कि बिहार शरीफ विधानसभा क्षेत्र से दिनेश कुमार, मनोज कुमार ताती, शिवकुमार यादव ,बलराम दास ,मनोज कुमार, मोहित कुमार उर्फ कुंदन कुमार ,राकेश पासवान और सरस्वती देवी की जमानत जप्त हो गई है । जबकि हिलसा विधानसभा क्षेत्र से कुमार नीरज अमर सिंह ,उमेश कुमार वर्मा, प्रेम कुमार ,बाबू चंद चौधरी ,सुधीर कुमार, सुकेश कुमार और सच्चिदानंद सिंह को भारी नुकसान उठाना पड़ा . इसी प्रकार अस्थमा विधानसभा क्षेत्र से लता सिंह ,बनवारी कुमार, दीपक कुमार विद्यार्थी ,हिमांशु कुमार पासवान और शबनम लता की भी जमानत जप्त हुई है। इसके अलावा राजगीर विधानसभा क्षेत्र से मानो देवी, सत्येंद्र कुमार ,अंजलि राय और शेर पासवान और विजय पासवान तथा इस्लामपुर विधानसभा क्षेत्र से सबसे ज्यादा 11 प्रत्याशियों की जमानत है जप्त हुई हैं । जिनमें विपिन मिस्त्री, कुमार हरीश चरण सिंह यादव ,तनुजा कुमारी, दिनकर कुमार ,विकास कुमार गौरव, सुगौली प्रसाद, अजय कुमार सिन्हा, मनोज जमादार, नीतू कुमारी, रंजीत कुमार और सीताराम सिंह शामिल हैं। बताया गया कि नालंदा विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी प्रियदर्शी अशोक ,अभी कुमार ,कुमारी पूनम सिंह, गौतम राजवंशी, दिलीप कुमार ,धर्मेंद्र पासवान, बैजनाथ प्रसाद और राजस्थान कुमार को भी जमानत राशि जप्त करना पड़ गया ।वही हरनौत विधानसभा क्षेत्र से धर्मेंद्र कुमार, अग्रसेन प्रियदर्शी ,कन्हैया लाल यादव ,कमलेश पासवान, धनंजय कुमार, प्रेम रंजन कुमार, अनिरुद्ध कुमार, पिंटू पासवान और विनय भूषण कुमार की भी जमानत राशि जप्त हुई।

मेयर अब एक डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट

जोहरान ममदानी की जीत से अमेरिका में राजनीतिक ध्रुवीकरण तीखा होने के साथ-साथ कई स्तरों पर विभाजन बढ़ने की आशंका है। वैसे यह कोई छोटी विडंबना नहीं है कि दुनिया के सर्व-प्रमुख वित्तीय महानगर का मेयर अब एक डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट है!

जोहरान मामदानी के विजयी होने पर एक टीकाकार ने कहा है कि न्यूयॉर्क के नव-निर्वाचित 34 वर्षीय मेयर को उन शख्सियतों का शुक्रगुजार होना चाहिए, जो सरकारी खज़ाना धनी लोगों को सौंपते चले गए। परिणाम आम न्यूयॉर्क वासी का समाजवाद की तरफ हुआ झुकाव है। भारतीय फिल्मकार मीरा नायर के बेटे मामदानी खुद को डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट कहते हैं। कुछ महीने पहले उनका उत्कर्ष की तरह उदय हुआ, जब डेमोक्रेटिक पार्टी की प्राइमरी में उन्होंने तत्कालीन मेयर एंड्रयू कुमो को हरा दिया। कुमो निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरे। आखिर वक्त पर उन्हें राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का भी समर्थन मिला।

ट्रंप ने मामदानी को हराने के लिए ना सिर्फ अपनी पार्टी के उम्मीदवार पर कुमो को तरजीह दी, बल्कि यहूदियों से उन्हें वोट देने के लिए सांप्रदायिक अपील भी की। इसके पहले वे काफी समय से न्यूयॉर्क वासियों को डरा रहे थे कि अगर उन्होंने एक कम्युनिस्ट को मेयर चुनाव, तो संघीय वित्तीय सहायता रोक दी जाएगी। ट्रंप ने अपने पुराने प्रिय शहर में कम्युनिस्ट को मेयर बनने से रोकने को प्रतिष्ठा का सवाल बना लिया था। लेकिन महंगाई और दूभर होती ज़िंदगी से पीड़ित न्यूयॉर्क वासियों ने मकान किराया वृद्धि पर रोक, बस यात्रा की मुफ्त सेवा, बाल पालन-पोषण की सार्वजनिक व्यवस्था, एवं प्रशासन संचालित किराना दुकानों में उचित मूल्य पर सामग्रियों की बिक्री जैसे ममदानी के वादों पर ज्यादा भरोसा किया।

मगर इस तरह उन्होंने ट्रंप की नाराजगी मोल ली है, जिसका नतीजा यह हो सकता है कि लॉस एंजिल्स, शिकागो, न्यूपोर्टलैंड आदि शहरों की तरह न्यूयॉर्क भी ट्रंप के निशाने पर आ जाए। इससे अमेरिका में जारी ध्रुवीकरण और तीखा हो सकता है। ममदानी की जीत ने डेमोक्रेटिक पार्टी एस्टैबलिशमेंट के लिए भी मुश्किलें खड़ी की हैं, जो अपनी समाजवादी छवि कतई नहीं बनने देना चाहता। मगर ममदानी अब एक हकीकत हैं, जिनकी नीतियों के समर्थक देश भर में हैं। ऐसे में डेमोक्रेटिक पार्टी विभाजन की तरफ बढ़ सकती है।

अंतरराष्ट्रीय छात्र दिवस और भारत में छात्रों की वास्तविक स्थिति

कांतिलाल मांडोत

आज विश्वभर में अंतरास्ट्रीय छात्र दिवस के रूप में हम मनाते है।हर राज्य, शहर और गांवो में नजर डाले तो छात्रो की परिस्थितिया अलग अलग परिभाषित होती दिखाई देती है।अंतरराष्ट्रीय छात्र दिवस विश्वभर के विद्यार्थियों की संघर्षपूर्ण यात्रा, उनकी उपलब्धियों और शिक्षा के महत्व को रेखांकित करने का अवसर है। भारत जैसे विशाल और युवा देश में यह दिवस विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यहाँ की लगभग 40% आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शिक्षा प्रणाली से जुड़ी है। परंतु देश के करोड़ों बच्चों का वास्तविक जीवन, उनकी पढ़ाई–लिखाई की परिस्थितियाँ, आर्थिक,सामाजिक चुनौतियाँ, पढ़ाई का बोझ, होमवर्क, और स्कूलों के कठोर नियम इन सभी को समझे बिना छात्र दिवस की प्रासंगिकता अधूरी रह जाती है। भारत में छात्र सिर्फ डेस्क और किताबों तक सीमित चरित्र नहीं हैं।वे संघर्ष, सपनों और दायित्वों से जूझती हुई नई पीढ़ी का प्रतिबिंब हैं। आज का विद्यार्थी जहां डिजिटल युग की तेज़ी से बदलती दुनिया में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहा है, वहीं गरीबी, असमानता, फीस का बोझ, संसाधनों की कमी, मानसिक दबाव और भविष्य को लेकर असुरक्षा जैसे कई कारक उसकी पढ़ाई को प्रभावित कर रहे हैं। संघर्ष और संभावनाओं के बीच भारत के विद्यार्थी एक विषम परिस्थिति में जीवन गुजारते हैं। एक तरफ दुनिया तेज़ गति से शिक्षण को तकनीकी से जोड़ रही है, वहीं दूसरी ओर देश में अब भी हजारो बच्चे प्राथमिक स्तर पर स्कूल जाने से वंचित हैं। जो बच्चे स्कूल जाते भी हैं, वे संसाधनों की कमी, शिक्षकों की कमी, स्कूलों की असमान गुणवत्ता और आर्थिक संकट जैसी बाधाओं से टकराते हुए आगे बढ़ते हैं।छात्र यथार्थ से दो प्रकार से जूझते हैं,जिसमे पहला शैक्षणिक दबाव और दूसरा सामाजिक और आर्थिक दबाव है।जो परिस्थितियों पर चोट करता है।इन दोनों के बीच संतुलन बनाना हर बच्चे के लिए आसान नहीं होता, खासकर उन परिवारों के लिए जिनके लिए शिक्षा आज भी एक विलासिता जैसी लगती है। भारत में छात्रों को सबसे बड़ी जो कठिनाई झेलनी पड़ती है, वह है आर्थिक असमानता। करोड़ों परिवार ऐसे हैं जो मुश्किल से अपने बच्चों की स्कूल फीस, किताबें, यूनिफॉर्म और अन्य खर्च उठा पाते हैं।ग़रीबी के कारण शिक्षा पर प्रभाव पड़ता दिखाई देता है।लाखों बच्चे सरकारी स्कूलों पर निर्भर हैं, पर वहाँ भी कई बार आवश्यक संसाधनों की कमी होती है।लेकिन फिर भी सरकार हर खर्च अपने स्तर पर कार्य को अंजाम दे रही है।मध्यवर्गीय परिवारों में बच्चों की कोचिंग, ट्यूशन और स्कूल फीस एक बड़ा आर्थिक बोझ बन चुकी है।ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों की दूरी, परिवहन की कमी और कामकाज में बच्चों की मदद की मजबूरी पढ़ाई में बाधा डालती है।आज भी भारत के बहुत से बच्चे स्कूल के बाद किसी दुकान, ढाबे, खेत या छोटे-मोटे काम में माता-पिता का हाथ बंटाते हैं। यह आर्थिक बाध्यता बच्चों के अध्ययन समय को कम कर देती है और उनकी सीखने की क्षमता पर नकारात्मक असर डालती है। स्कूल शिक्षा में असमानता को दूर करना होगा।सरकार को देश मे समान शिक्षा लागू करने के लिए त्वरित निर्णय लेना होगा। निजी बनाम सरकारी संस्थान भारत का स्कूली ढांचा दो हिस्सों में विभाजित है। जिसमे निजी स्कूल में बेहतर सुविधाएँ है लेकिन अत्यधिक फीस के कारण बच्चे पढ़ नही सकते है। सरकारी स्कूल में सस्ती या मुफ्त शिक्षा उपलब्ध है लेकिन कई जगह संसाधनों में कमी के कारण छात्र फायदा नही उठा पाते है।निजी स्कूल की चुनौतियाँ अत्यधिक है।अत्यधिक फीस हर महीने नई नई गतिविधियों का आर्थिक बोझ पड़ता है और यूनिफॉर्म, किताबें, परिवहन के भारी शुल्क से छात्र केमाता-पिता पर सामाजिक दबाव कि बच्चा अच्छे स्कूल में पढ़ रहा हो। सरकारी स्कूलों की चुनौतियाँ भी अपार है।शिक्षकों की कमी, इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी, खेल-सुविधाओं और लाइब्रेरी की कमी और कई जगह शिक्षा की गुणवत्ता बहुत कमजोर होती दिखाई देती है।यह असमान व्यवस्था बच्चों के बीच असमानता को जन्म देती है। होमवर्क का बढ़ता बोझ और तनाव मुश्किलें पैदा करता है। भारत में विद्यार्थियों पर होमवर्क का बोझ असाधारण रूप से अधिक है।अक्सर कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों को इतना अधिक होमवर्क दे दिया जाता है कि उनके खेलने और मानसिक विकास का समय छिन जाता है। होमवर्क के बोझ के प्रमुख कारण भी है।स्कूलों की प्रतिस्पर्धा, रैंकिंग का दबावऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह के असाइनमेंट और परीक्षा आधारित मूल्यांकन यह बच्चों में तनाव, थकान, चिड़चिड़ापन और पढ़ाई से दूरी पैदा कर देता है। मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि छोटे बच्चों को कम से कम होमवर्क दिया जाना चाहिए ताकि वे सीखने की प्रक्रिया का आनंद ले सकें । स्कूलों के कठोर नियम कायदे अनुशासन या मानसिक दबाव से छात्र की चिंता बढ़ जाती है।कई स्कूल बच्चों पर अत्यधिक अनुशासन और सख्त नियम लागू करते हैं।यह कोमल बाल के मष्तिष्क के लिए खतरनाक है।लंबे समय तक क्लास में लगातार टेस्ट,ड्रेस कोड की कड़ाई और नियम तोड़ने पर जुर्माना,स्कूल बस, किताब या देर होने पर दंडसे बालक के मन मे नफरत पैदा हो जाती है।जहाँ अनुशासन आवश्यक है, वहीं अत्यधिक कठोरता बच्चों में भय और असुरक्षा पैदा करती है। शिक्षा का उद्देश्य सम्मान और आत्मविश्वास बढ़ाना होना चाहिए, न कि दंड के माध्यम से दबाव बनाना। मानसिक तनाव, अवसाद और प्रतिस्पर्धा का दंश भारत में छात्र मानसिक स्वास्थ्य संकट से जूझ रहे हैं।परीक्षा में असफल होने का भय90% 95% अंक लाने की सामाजिक अपेक्षा,करियर को लेकर अनिश्चितता और माता-पिता का दबाव यह सब छात्रो को विपरीत दिशा की तरफ खिंचती है।सामाजिक तुलना में भीछात्र के मन मे एक प्रकार का दोष घर कर जाता है। कि फला के बच्चे ने इतना अच्छा किया, तुम क्यों नहीं? कई तथ्यों के अनुसार छात्र आत्महत्या के मामलों में भारत दुनिया में सबसे ऊपर है। यह आंकड़ा बताता है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था बच्चों का मानसिक भार बढ़ा रही है। डिजिटल शिक्षा की दोहरी चुनौती भी है और अवसर भी, खतरा भी है।कोविड के बाद डिजिटल शिक्षा का विस्तार हुआ है, लेकिन डिजिटल खाई अभी भी व्यापक है।शहरों में टैब, मोबाइल, हाई-स्पीड इंटरनेट ऑनलाइन क्लास और डिजिटल कंटेंट व गांवों में नेटवर्क की कमी मोबाइल फोन का अभाव साझा उपकरणों पर निर्भरता के ये सभी कारण छात्र को विचलित करने का काम करते है। डिजिटल संसाधनों की कमी के कारण ग्रामीण और गरीब बच्चों की पढ़ाई लगातार प्रभावित हो रही है। छात्र की अन्य चुनौतियाँ भी है। परिवहन, सुरक्षा, सामाजिक दबाव परिवहन समस्या ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को कई किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता है।स्कूलों तक आते-जाते समय छात्राओं की सुरक्षा कई क्षेत्रों में एक बड़ी समस्या है।कई बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। खाली पेट स्कूल जाने से उनका ध्यान केंद्रित नहीं रहता। सामाजिक दबाव भी आज के परिपेक्ष्य में विरोधभास पैदा कर रही है।कई समुदायों में लड़कियों को उच्च शिक्षा की अनुमति नहीं मिलती, जिससे ड्रॉपआउट बढ़ता है।इन चुनौतियों को कम करने के लिए सरकारी प्रयास कर रहीं है।लेकिन नाकाफी है। भारत सरकार और राज्य सरकारें छात्रों की समस्याओं को कम करने के लिए कई कदम उठा रही हैं। नई शिक्षा नीति मेंरटने की बजाय कौशल आधारित शिक्षा बोर्ड परीक्षाओं का बोझ कम करना ही छात्रो की मूल समस्या को कम करने में मदद मिलेगी। बच्चों को पसंद के विषय चुनने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। डिजिटल शिक्षा का विस्तार, मध्याह्न भोजन ,गरीब बच्चों में कुपोषण कम करने से बच्चों की स्कूल उपस्थिति बढ़ी है। प्री मैट्रिक और पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप उपलब्ध होने से छात्र को मदद मिलती है।आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सहारा कन्या छात्रवृत्ति योजनाएँ राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा मिशन जैसे प्लेटफॉर्म पर डिजिटल सामग्री उपलब्धब है। सरकारी स्कूलों का आधुनिकीकरण बहुत जरूरी है।यह कार्य निजी स्कूल वाले बहुत करते है। स्मार्ट क्लास पुस्तकालय ,खेल मैदान आदि की पूर्ति स्कूल विभाग वालो के लिए अनिवार्य होनी चाहिए। होमवर्क कम करने की नीति अपनानी होगी।कई राज्यों ने प्राथमिक कक्षाओं में होमवर्क पूरी तरह बंद किया है।मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग नियुक्त करने की प्रक्रियाशुरू की जानी चाहिए।बच्चों की मानसिक समस्याएँ कम करने का प्रयास समय की मांग है।भारत में छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निम्न कदम आवश्यक है। होमवर्क का बोझ कम किया जाए,खेलने कूदने और रचनात्मक गतिविधियों पर अधिक जोर दिया जाए। सरकारी स्कूलों को निजी विद्यालयों के बराबर मजबूत बनाया जाए।

सबसे तेज़ बनने के चक्कर में श्रद्धांजलि का पात्र बना गोदी मीडिया

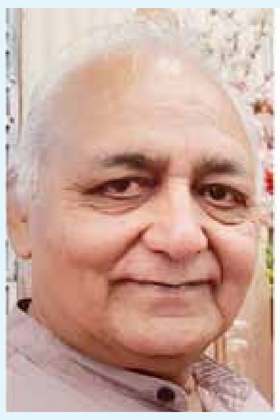

तनवीर जाफ़री

अन्य करोड़ों लोगों की तरह मैं भी फ़िल्म जगत में ही मैन के नाम से प्रसिद्ध फ़िल्म अभिनेता धर्मेंद्र का बचपन से ही प्रशंसक हूँ। 1985-87 के मध्य इलाहाबाद में अमिताभ बच्चन के साथ काम करने का अवसर मिला। उसी दौर में मुंबई आना जाना रहा। उन दिनों मुझे संजय ख़ान,दारा सिंह,रणजीत,देव कुमार उनकी सुपुत्री मिस इंडिया मनीषा कोहली सहित अन्य कई कलाकारों से व्यक्तिगत रूप से मिलने का अवसर मिला। परन्तु इत्तेफ़ाक़ से दो बार कोशिशों के बावजूद धर्मेंद्र से इसलिये न मिल सका क्योंकि मेरे मुंबई के प्रवास के दौरान वे शूटिंग पर कहीं बाहर होते। बहरहाल उनसे मिलने व उनके साथ बैठने की हसरत दिल में ही रही। इत्तेफ़ाक़ से 2005 में जब मैं लोकसभा की कार्रवाई देखने के लिये दिल्ली गया था उसी दौरान संसद के मुख्य द्वार पर मेरी नज़र इस महान अभिनेता पर पड़ी। उस समय वे 2004 से 2009 के मध्य बनी 14वीं लोकसभा में राजस्थान के बीकानेर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी की ओर से निर्वाचित हुये सांसद थे। मैं उन्हें देखकर ज़ोर से बोल पड़ा --अरे ...बीरु .. और धर्मेंद्र ने मेरी तरफ़ दोनों हाथ बढ़ाते हुये ज़ोर से कहा --आ जा मेरी जान। मैं उनकी तरफ़ तेज़ी से बढ़ा ,उन्होंने बी आगे बढ़कर पूरी गर्मजोशी से मुझे दोनों हाथों से झप्पी डालते हुये इतनी ज़ोर से उठाया की मेरे दोनों पैर ज़मीन से ऊपर उठ गये। उस अविस्मरणीय क्षण को मैं आज भी भी याद करता हूँ। बहरहाल पिछले दिनों भारत के बदनाम ज़माना गोदी मीडिया ने देश के उस हरदिलअज़ीज़ अभिनेता को उनके जीवनकाल में ही अपनी ख़बरों में श्रद्धांजलि दे डाली। ग़ौर तलब है कि सांस लेने में दिक़्क़त होने के कारण उन्हें पिछले दिनों मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में उन्हें भर्ती कराया गया था। उनके अस्पताल में भर्ती होते ही टी आर पी के भूखे गोदी मीडिया ने अपने मुख्य वाक्य सबसे तेज़ को साकार करने के मक़सद से मोर्चा संभाल लिया। और 10-11 नवंबर के बीच अच्छे ख़ासे बोलते बात चीत करते इस लोकप्रिय अभिनेता की मौत की झूठी अफ़वाहें तेज़ी से फैला दीं। ऐसी अफ़वाहबाज़ी कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंहवी, तेलुगु सुपरस्टार चिरंजीवी,अभिनेत्री भाग्यश्री, गीतकार व पटकथा लेखक जावेद अख़्तर यहाँ कि ख़ुद गोदी मीडिया की ही एक चर्चित पत्रकार चित्रा त्रिपाठी तक ने इसी झूठी ख़बर पर विश्वास करते हुये धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि व श्रद्धासुमन अर्पित कर डाले। बाद में इनमें से कई हस्तियों ने अपने ऐसे ट्वीट डिलीट भी किये ? यहाँ तक कि कई बड़े अख़बारों ने भी इसी गोदी मीडिया की इस झूठी ख़बर पर विश्वास हुये मुख्य पृष्ठ पर ख़बरें प्रकाशित कर डालीं। उधर वही धर्मेंद्र अपनी मौत की झूठी ख़बर फैलने के अगले ही दिन यानी 12 नवंबर को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिए गए। अस्पताल से छुट्टी के बाद वे सजे संवरे सर पर हैट धारण किये अपने अभिनेता पुत्रों के साथ हँसते मुस्कुराते और उसी मीडिया का अभिवादन करते हुये अपने घर जाते नज़र आये। परन्तु पहले भी इस तरह की अफ़वाह फैलाते रहने वाले गोदी मीडिया को इस बार कुछ ज़्यादा ही मुँह की खानी पड़ी। न केवल धर्मेंद्र के परिवार के सदस्यों ने बल्कि धर्मेंद्र के प्रशंसकों ने भी सोशल साइट्स पर गोदी मीडिया की धज्जियाँ उड़ाकर रख दीं। धर्मेंद्र की बेटी अभिनेत्री ईशा देओल ने सबसे पहले अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि मीडिया हद से ज़्यादा सक्रिय है और झूठी ख़बरें फैला रहा है। मेरे पापा स्थिर हैं और रिकवर कर रहे हैं। परिवार को प्राइवेसी दें। पापा के जल्द ठीक होने की दुआओं के लिए शुक्रिया। उसके फ़ौरन बाद अभिनेत्री पत्नी व सांसद हेमा मालिनी ने एक्स (ट्विटर) पर ग़ुस्से में लिखा कि जो हो रहा है वो अक्षम्य है ! ज़िम्मेदार चैनल ऐसे व्यक्ति के बारे में झूठी ख़बरें कैसे फैला सकते हैं जो इलाज पर अच्छी प्रतिक्रिया दे रहा है और रिकवर कर रहा है? ये बेहद असम्मानजनक और ग़ैर -ज़िम्मेदाराना है। परिवार की प्राइवेसी का सम्मान करें। बाद में अभिनेता पुत्र सनी देओल की टीम की ओर से आधिकारिक बयान जारी कर कहा गया कि मिस्टर धर्मेंद्र स्थिर हैं और ऑब्ज़र्वेशन में हैं। वे अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। झूठी अफ़वाहें न फैलाएं, प्राइवेसी का सम्मान करें और जल्द स्वस्थ होने की दुआ करें। इस अफ़वाहबाज़ गोदी मीडिया को सबसे अधिक ज़लालत व अपमान का सामना सोशल मीडिया में करना पड़ा। इतना आक्रोश तो उस समय भी देखना नहीं पड़ा था जब पहले भी कई बार यही ग़ैर ज़िम्मेदार और झूठ परोसने वाला मीडिया कभी अमिताभ बच्चन तो कभी राजिनीकांत कभी शाहरुख ख़ान तो कभी फ़रीदा जलाल कभी लता मंगेशकर,राजेश खन्ना,कॅटरीना कैफ़ व आयुष्मान खुराना जैसे कई कलाकारों को उनके जीवित रहते हुये भी मारने की ख़बरें चलाता रहा है। इस बार तो धर्मेंद्र के प्रशंसकों ने व गोदी मीडिया को देश की पत्रकारिता पर कलंक समझने वाले देश के एक प्रबुद्ध वर्ग ने ऐसी पत्रकारिता ऐसे ऐंकरों व ऐंकराओं की तो धज्जियाँ उड़ाकर रख दीं। सीधे तौर पर धर्मेंद्र की मौत की झूठी ख़बर शोकपूर्ण भाव भंगिमा से पेश करने वाली गोदी मीडिया की उस बदनाम ऐंकरा के चित्र पर ही माला डालकर उसी को श्रद्धांजलि अर्पित कर डाली। लाखों लोगों द्वारा ऐसी ग़ैर ज़िम्मेदाराना पत्रकारिता की घोर भर्तस्ना की गयी। कई मशहूर यू ट्यूबर पत्रकारों ने धर्मेंद्र की बीमारी के संबंध में तो नहीं परन्तु अफ़वाहबाज़ मीडिया द्वारा फैलाई गयी धर्मेंद्र संबंधी अफ़वाह को लेकर विशेष कार्यक्रम ज़रूर बनाये और ग़ैर ज़िम्मेदार गोदी मीडिया की जम कर धुलाई की। आश्चर्य है कि पिछले दस वर्षों से घोर अपमान झेल रहा यह पक्षपाती,समाज में दुर्भावना फैलाने वाला,लोगों को झूठी ख़बरों से गुमराह करने वाला,सरकारी विज्ञापनों व पैसों की लालच में अपना ज़मीर बेचने वाला तथा अपनी इन्हीं ग़ैर ज़िम्मेदाराना हरकतों से देश व पत्रकारिता को कलंकित करने वाला अनियंत्रित गोदी मीडिया अभी भी झूठी,बेबुनियाद,उकसाऊ व अफ़वाहपूर्ण ख़बरों को प्रसारित करने से बाज़ नहीं आ रहा। यही वजह है कि धर्मेंद्र के सम्बन्ध में विश्वसनीय नहीं बल्कि सबसे तेज़ चैनल बनने के चक्कर में मीडिया स्वयं श्रद्धांजलि का पात्र बन बैठा।

एनडीए की 'सुनामी' को भांपने में क्यों फेल हुए एग्जिट पोल?

योगेश कुमार गोयल

नीतियों, संख्या-शास्त्र और राजनीतिक सामाजिक रुझानों को समझने का दावा करने वाले एग्जिट पोल्स एक बार फिर बिहार के जनादेश के सामने बुरी तरह धराशायी हो गए। यह वही बिहार है, जहां जनता की राजनीतिक सूझबूझ देशभर में मिसाल मानी जाती है और इसी बिहार ने 2025 के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि मतदाता का मन कागजों, ग्राफों और टीवी स्टूडियो की चर्चाओं से नहीं पढ़ा जा सकता। लगभग दो दर्जन एजेंसियों ने अपने-अपने अनुमानों की बौछार कर दी थी लेकिन नतीजों ने इनकी तथाकथित वैज्ञानिकता का मुखौटा एक झटके में उतारकर फैंक दिया। मतदान के बाद तमाम टीवी चैनलों पर जोर-शोर से दावे किए जा रहे थे कि इस बार तस्वीर साफ है, रुझान स्थिर हैं और रणनीति मजबूत है परन्तु असलियत यह थी कि वैज्ञानिक 'सैम्पलिंग' के नाम पर केवल अनुमान बेचे जा रहे थे और इन अनुमानों का आधार जमीन से ज्यादा स्टूडियो-केन्द्रित 'कॉलिनियरिटी' था। हालांकि बिहार के दो चरणों वाले चुनाव में भारी मतदान ने यह संकेत पहले ही दे दिया था कि इस बार कुछ अलग ही लहर है लेकिन यह लहर कितनी प्रचंड होगी, इसे कोई भी एजेंसी अपने सर्वे में नहीं पकड़ सकी। 65 और 68 प्रतिशत की रिकॉर्ड वोटिंग ने विश्लेषकों को जरूर सतर्क किया था लेकिन यह सतर्कता भी उस समय ध्वस्त हो गई, जब एग्जिट पोल्स ने लगभग एक जैसी थाली परोसी यानी एनडीए की जीत लेकिन सीमित मार्जिन के साथ। लगभग सभी 'पोल ऑफ पोल्स' ने एनडीए को 150 के आसपास और महागठबंधन को 80-90 सीटों तक टिका दिया, मानो मतदाता किसी स्थिर पैटर्न में वोट डालने गया हो। इन अनुमानित संख्याओं में न आत्मविश्वास झलकता था, न शोध की गंभीरता। यही नहीं, प्रतिष्ठित मानी जाने वाली एक्सिस माय इंडिया और टुडेज चाणक्य जैसी एजेंसियां भी उस भूचाल को भांप नहीं सकी, जिसने एनडीए को 200 से अधिक सीटों के साथ रिकॉर्ड बहुमत दे दिया। यह पराजय अनुमान की नहीं, समझ की थी और यह विफलता आंकड़ों की नहीं, पद्धति की थी, जो सवाल उठाती है कि क्या एग्जिट पोल्स विश्लेषण करते हैं या महज भविष्यवाणी का खेल खेलते हैं? सबसे दिलचस्प बात यह रही कि सभी एजेंसियों के बीच 'पोल डायरी' नाम की एकमात्र एजेंसी थी, जिसने एनडीए को 184-209 सीटों तक का अनुमान देकर राजनीतिक गलियारों को चौकन्ना कर दिया था। उस समय इसे कई विशेषज्ञों ने 'आउटलायर' कहकर खारिज कर दिया था परंतु नतीजे आए तो वही आउट्लायर सबसे सटीक साबित हुआ। महागठबंधन को 32-49 सीटों का उसका अनुमान भी वास्तविक परिणामों से मेल खा गया। यह सवाल और बड़ा हो जाता है कि जब सारी एजेंसियां एक दिशा में झुकी हों और एक एजेंसी अलग दृष्टि दे रही हो, तब भी आखिर क्यों तथाकथित विशेषज्ञता उस एकमात्र भिन्न अनुमान को गंभीरता से नहीं लेती? जवाब स्पष्ट है कि एग्जिट पोल अब एक उद्योग है और उद्योग में जोखिम लेने की जगह कम होती है। सबको उसी लय में बोलना सुविधाजनक लगता है, जिसमें बहुमत की आवाज सुनाई देती है। बिहार में एक्सिस ने 121-141, चाणक्य ने 148-172, भास्कर ने 145-160, पीपुल पल्स ने 133-159, मैट्रिज-आईएएनएस ने 147-167 और लगभग हर एजेंसी ने 130 से 160 के बीच एनडीए को बांधकर रखा। महागठबंधन को इन्हीं एजेंसियों ने उदारता के साथ 75-110 सीटें सौंप दी, मानो राजनीतिक ध्रुवीकरण, जातीय समीकरणों के पुनर्संयोजन, महिलाओं और युवाओं के मतदान पैटर्न जैसी वास्तविकताओं का कोई महत्व ही न हो। नतीजा? जमीन पर वोटर ने इन सारे अनुमानों को 'कागजी गणित' साबित कर दिया। एनडीए जहां 200 सीटों से ऊपर निकल गया, वहीं महागठबंधन 35 के आसपास सिमट गया। बिहार की राजनीति की जटिलता को समझ पाने में एग्जिट पोल्स की असमर्थता कोई नई बात नहीं है। 2010, 2015 और 2020 में भी वे लगातार विफल रहे। 2015 में जब नीतीश-लालू गठबंधन की प्रचंड जीत हुई थी जबकि सर्वे एजेंसियों ने इसके उलट एनडीए की बढ़त दिखाई थी। 2020 में जब लगभग हर सर्वे ने महागठबंधन की जीत की भविष्यवाणी की थी, तब नतीजों ने एनडीए को 125 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत पर पहुंचा दिया था। अब 2025 में जब एनडीए की सुनामी आई, तब उसे भी पढ़ने में लगभग सभी एजेंसियां एक बार फिर चूक गई। आखिर चुनावी समाजशास्त्र में ऐसी क्या अंधी दीवार है, जो इन एजेंसियों को वास्तविकता से टकराने पर मजबूर कर देती है? यह विफलता केवल बिहार तक सीमित नहीं है। हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और यहां तक कि लोकसभा चुनावों तक में एग्जिट पोल्स बार-बार चित्त होते आए हैं। 2024 लोकसभा चुनाव में तो लगभग हर एजेंसी ने एनडीए को 350-400 सीटों का आकाश छूता अनुमान दिया था जबकि भाजपा 240 सीटों पर रुक गई थी और एनडीए 292 पर। महाराष्ट्र में एग्जिट पोल्स ने 150-170 सीटों की 'महायुति' दिखा दी पर वास्तविक नतीजे 234 सीटों के विशाल बहुमत में तब्दील हो गए। झारखंड में अनुमान एनडीए का, नतीजा इंडिया ब्लॉक का; बंगाल में अनुमान त्रिशंकु का, नतीजा टीएमसी की सुनामी का, तो क्या यह कहना गलत है कि एग्जिट पोल अब विश्लेषण का औजार नहीं बल्कि मनोरंजन का साधन बन चुके हैं? सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि आखिर एग्जिट पोल्स किस 'विज्ञान' पर चलते हैं? एजेंसियां दावा करती हैं कि वे वैज्ञानिक सैम्पलिंग, पिछले चुनावों के पैटर्न, जातीय-क्षेत्रीय वितरण, बूथवार गणना और वोट शेयर रूपांतरण मॉडल पर काम करती हैं लेकिन वास्तविकता यह है कि यह डेटा कितने बूथों से लिया जाता है, कितने मतदाताओं से बात होती है, कौनसे अनुपात लागू किए जाते हैं, इन सबकी पारदर्शिता लगभग शून्य है। 'वैज्ञानिक मॉडल' की आड़ में यह उद्योग एक ब्लैक बॉक्स की तरह काम करता है, जहां अंदर क्या चल रहा है, कोई नहीं जानता और बाहर सिर्फ अनुमान बेचा जाता है। हालांकि ऐसा नहीं है कि सैंपलिंग से नतीजे निकाले नहीं जा सकते। दुनियाभर में चुनाव पूर्व सर्वे और एग्जिट पोल आम प्रचलन में हैं लेकिन वहां मैथडोलॉजी खुली होती है, डेटा उपलब्ध होता है और एजेंसियों का मूल्यांकन उनके पिछले रिकॉर्ड के आधार पर किया जाता है।

मेषः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। इस राशि के जो लोग बिजनेसमैन है आज कहीं अच्छी जगह निवेश कर सकते है। जिसका फायदा आपको भविष्य में होगा। आज ऑफिस की तरफ से ऑनलाइन कोई बिजनेस मीटिंग जॉइन कर सकते है। अपने मेल को एक बार अच्छे से चेक करके जरुर जाएं। साथ ही दोस्तों के साथ बात कर के मूड अच्छा रहेगा। धार्मिक तथा आध्यात्मिक गतिविधियों में भी आज आपका रुझान रहेगा।

वृषभः आज का दिन बेहतरीन रहेगा। किसी नयी जमीन से संबंधित कोई लेन-देन करने जा रहे हैं तो पहले उसकी अच्छे से जांच-पड़ताल जरूर कर लें। आज किसी भी अनजान व्यक्ति से बात करते समय सही भाषा का प्रयोग करें। इस राशि के विवाहितों के लिए आज का दिन अच्छा है। आज आपका स्वास्थ्य फिट रहेगा। किसी भी विपरीत परिस्थिति में अपना धैर्य ना खोए और किसी भी कार्य को शांतिपूर्ण तरीके से व सोच-विचार करके ही पूरा करें। अपने काम ध्यान से करें जिससे आपकी कोई बैक बाईटिंग न करने पायें। घर पर परिवार वालों के साथ डिनर करने का प्लान बनायेंगे।

मिथुनः आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। बिजनेस में आपको फायदा मिलने वाला है।इस राशि के लोग आज अपने जीवनसाथी के साथ घर पर ही साथ मूवी देखने का प्लान कर सकते हैं। किसी को पहले उधार दिया हुआ पैसा आज वापस मिलेगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा। इस राशि के वकीलों के लिए आज का दिन महत्वपूर्ण है। आज सभी केस उनके पक्ष में रहेंगे, साथ ही दो-चार नये केस मिल सकते हैं। आज किसी बचपन के

कर्कः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप अपने संपर्क में आने आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करेंगे। साथ ही आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी, क्योंकि जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे गलतियां हो सकती है। आज दूसरों पर विश्वास न करें, इसका असर आपके कार्यक्षेत्र में पड़ सकता है।

सिंह : आज उन चीजों को महत्व दें जो सच में आपके लिए महत्वपूर्ण हैं तो आपके लिए अच्छी साबित हो सकती हैं। आपको अपने दोस्तों और काम के बीच संतुलन बनाकर रखना होगा। जिससे आपको ज्यादा से ज्यादा काम करने का समय मिल सके। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए आज का दिन अच्छा है।

कन्याः आज किसी दोस्त से अपनी कोई पुरानी बातें भी शेयर करेंगे, जिससे आप बनावटी और सच्चे प्यार में अंतर समझ पाएं। आज पूराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपनाऐंगे। आपके इस विचार को देखकर परिवार का मन उत्साह से भर जाऐगा।

तुलाः आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। आज पैसों के लेन-देन से बचें। कहीं निवेश कर रहें है तो आज का दिन आपके लिए शुभ है। आज अपने गुस्से पर कंट्रोल करें इससे आपके बिगड़ते हुए काम पूरे हो जाएंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स को आज किसी कंपनी से नये जॉब के लिए कॉल आ सकती है।

वृश्चिकः आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। इस राशि के प्रोफेशर्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। किसी अच्छे कॉलेज से लेक्चरार के लिए ऑफर आ सकता है। साथ ही लॉ के स्टूडेंट्स आज आगे की पढ़ाई करने के लिए फार्म भर सकते है।

धनुः आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। जीवनसाथी के सहयोग से आपको किसी बड़े काम में सफलता मिलेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। अगर कहीं निवेश करना चाह रहें है तो आज न करें। इससे आपको घाटा हो सकता है।

मकरः आज आपका दिन खास रहेगा। इस राशि के अविवाहितों को आज विवाह के लिए शादी का प्रस्ताव आ सकता है। जिससे आपके घर का माहौल अच्छा रहेगा। आज सोशल मीडिया पर किसी ऐसे व्यक्ति से बात हो सकती है जिसका फायदा आपको भविष्य में अवश्य मिलेगा।

कुंभः आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। इस राशि के लोगों को आज के दिन कम्प्यूटर से रिलेटेड सामान खरीदना शुभ है। आज आपको माता-पिता से स्नेह मिलेगा। किसी कार्य को करने में आज आपके सामने कई बड़ी चुनौतियां आएंगी। जिसे आप धैर्य के साथ सॉल्व कर लेंगे।

मीनः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। संचार सेवा और इंटरनेट से जुड़े लोगों के लिए भी आज का दिन अच्छा रहेगा। किसी विदेशी कम्पनी से जॉब के लिए कॉल आ सकती है। इस राशि के बिजनेस वाले लोग अपने जरूरी कागजों को संभालकर रखें साथ ही कागजी कार्यवाही में सावधानी रखें।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

रविंद्र जडेजा को छोड़ना मुश्किल भरा फैसला था : सीएसके

» अगले सीजन में खेलेंगे राजस्थान रॉयल्स के लिए

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के प्रमुख ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा अब इस टीम का हिस्सा नहीं रहेंगे। अगले सीजन में वह राजस्थान रॉयल्स (आरआर) की जर्सी पहनते हुए नजर आएंगे। सीएसके के मैनेजिंग डायरेक्टर कासी विश्वनाथन ने इस फैसले को टीम मैनेजमेंट के लिए सबसे कठिन में से एक बताया। आईपीएल नीलामी से पहले शनिवार को लीग ने पुष्टि की कि जडेजा और इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन को आरआर में ट्रेड किया गया है। बदले में सीएसके को राजस्थान रॉयल्स के कप्तान और मुख्य बल्लेबाज संजू सैमसन मिला। इस खबर की चर्चा पिछले हफ्ते से थी, लेकिन दोनों फ्रेंचाइजियों की आधिकारिक पुष्टि ने फैंस को निराश कर दिया। जडेजा और सैमसन दोनों ही अपनी-अपनी टीमों के अहम स्तंभ रहे हैं और उनके चेहरे टीम का पहचान चिन्ह बन चुके थे। सीएसके के एमडी कासी विश्वनाथन ने कहा कि यह कदम आपसी सहमति से उठाया गया और खिलाड़ियों ने बदलाव की आवश्यकता महसूस की। उन्होंने वीडियो संदेश में बताया, "चेन्नई सुपर किंग्स ने रवींद्र जडेजा और सैम करन को राजस्थान रॉयल्स के संजू सैमसन के लिए ट्रेड किया है। वर्षों में हमने ट्रेडिंग का रास्ता अपनाया ही नहीं है, सिवाय कुछ चुनिंदा मौकों के। इस बार हमें भारतीय शीर्ष क्रम के बल्लेबाज की आवश्यकता थी, और नीलामी में कई प्रमुख भारतीय बल्लेबाज उपलब्ध नहीं थे। इसलिए हमने ट्रेड विंडो का उपयोग किया।" कासी ने आगे कहा कि जडेजा को छोड़ना टीम के लिए बेहद कठिन निर्णय था, क्योंकि उन्होंने वर्षों से सीएसके की सफलता में अहम योगदान दिया है। उन्होंने बताया, "टीम के वर्तमान संक्रमण को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया। हमने संबंधित खिलाड़ियों से परामर्श किया और सभी कदम आपसी सहमति से उठाए गए। जडेजा ने भी महसूस किया कि यह उनके करियर के इस चरण में उनके लिए सही अवसर हो सकता है।" इस ट्रेड के बाद सीएसके की टीम में नए स्वरूप के बदलाव होंगे, जबकि आरआर अपने अगले सीजन में जडेजा और करन के साथ अपनी ताकत बढ़ाएगी। फैंस के लिए यह बड़ा बदलाव है, क्योंकि जडेजा सीएसके के लंबे समय के प्रमुख खिलाड़ी रहे हैं और उनकी कमी टीम पर असर डाल सकती है। वहीं संजू सैमसन सीएसके के लिए नई ऊर्जा और अनुभव लेकर आएंगे।

जब धुरंधर भी नहीं बचा सके भारतीय बल्लेबाजी

» टी20 में टीम इंडिया की सबसे बड़ी नाकामियां

एजेंसी, नई दिल्ली

टी20 क्रिकेट में टीम इंडिया को दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में गिना जाता है। रोहित शर्मा, विराट कोहली और सुरेश रैना जैसे विस्फोटक बल्लेबाजों ने इस फॉर्मेट में कई ऐतिहासिक जीत दिलाई हैं। लेकिन इस सुनहरे सफर के बीच कुछ ऐसे दिन भी आए जब भारतीय बल्लेबाजी बुरी तरह लड़खड़ा गई और टीम 100 रन का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई। ऐसे पांच मुकाबले भारतीय टी20 इतिहास के सबसे निराशाजनक दिनों में शामिल हैं। भारत का अब तक का सबसे कम टी20 स्कोर 74 रन है, जो 2008 में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बना था। उस दिन ऑस्ट्रेलियाई पेस अटैक के सामने भारतीय बल्लेबाज पूरी तरह असहाय दिखे। इरफान पठान ने 26 रन बनाकर कुछ उम्मीद जगाई, लेकिन बाकी बल्लेबाज रन जुटाने के लिए संघर्ष करते रहे और पूरी टीम 17.3 ओवर में ढह गई। 2016 टी20 विश्व कप का नागपुर मैच भी भारतीय फैंस के लिए किसी गहरे झटके जैसा था। न्यूजीलैंड के मिशेल सैंटनर और ईश सोढ़ी ने धीमी पिच का फायदा उठाते हुए भारतीय बल्लेबाजों को 18.1 ओवर में सिर्फ 79 रन पर समेट दिया। इस हार ने साबित किया कि स्पिन-अनुकूल परिस्थितियों में भी भारत की बल्लेबाजी कमजोर पड़ सकती है। 2021 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भारत सीमित विकल्पों के साथ उतरा था, क्योंकि कोविड प्रोटोकॉल की वजह से कई खिलाड़ी आइसोलेशन में थे। युवा टीम श्रीलंकाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 20 ओवर में सिर्फ 81 रन जुटा पाई। यह हार न सिर्फ स्कोर के कारण चर्चा में रही, बल्कि इसलिए भी कि इस मैच ने टीम की बेंच स्ट्रेंथ की वास्तविक स्थिति सामने रखी। इसी तरह 2015 में कटक में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजी बुरी तरह बिखर गई। तेज गेंदबाजों की उछाल और धार के सामने बल्लेबाजों ने गलत शॉट खेलकर विकेट गंवाए और टीम 17.2 ओवर में केवल 92 रन पर सिमट गई। 2016 में पुणे में श्रीलंका के खिलाफ हुई हार भी भारतीय क्रिकेट इतिहास की चौंकाने वाली घटनाओं में शामिल है। डेब्यू मैच खेल रहे कसुन रजिता ने तीन विकेट लेकर भारत की बल्लेबाजी की रीढ़ तोड़ दी। नतीजा यह रहा कि टीम 18.5 ओवर में सिर्फ 101 रन बना पाई और मैच गंवा दिया। इन सभी मुकाबलों ने यह एहसास कराया कि चाहे टीम कितनी भी मजबूत क्यों न हो, गलत परिस्थितियों और आक्रामक गेंदबाजी के सामने बड़े-बड़े सितारे भी फ्लॉप हो सकते हैं। ये हारें भारतीय क्रिकेट के लिए सीख साबित हुईं कि किसी भी परिस्थिति या विपक्ष को हल्के में लेना बड़ा जोखिम बन सकता है।

शुभमन गर्दन में दर्द के बाद अस्पताल में भर्ती, जांच के बाद होगा आगे खेलने पर फैसला : बीसीसीआई

एजेंसी, कोलकाता

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल को गर्दन में दर्द के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ऐसे में अब शुभमन इस मैच में शायद ही पहले टेस्ट में आगे खेल पायें। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी कहा है कि शुभमन के आगे खेलने का फैसला जांच पर निर्भर रहेगा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ईडन गार्डन में बल्लेबाजी करने के दौरान एक शॉट लगाते समय उनकी गर्दन जकड़न आ गयी थी जिसके समस्या वह गर्दन को हिला भी नहीं पा रहे थे। इसी कारण उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा था। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुभमन अभी अस्पताल में हैं। (बीसीसीआई) ने कहा कि शुभमन को चिकित्सा निगरानी में रखा गया है उनके आगे खेलने का फैसला जांच रिपोर्ट के आधार पर ही लिया जाएगा हालांकि जिस प्रकार से उन्हें दर्द है उसको देखते हुए उन्हें शायद ही शामिल किया जाये। शुभमन को बल्लेबाजी के दौरान तब दर्द उठा था जब वह दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर साइमन हार्मर की गेंद पर शॉट लगा रहे थे। अभी उनकी गर्दन अकड़ गई। इसके बाद वह गर्दन को घुमा भी नहीं पा रहे थे। ऐसे में फिजियो ने भी उन्हें राहत दिलाने के प्रयास किये पर सफल नहीं हुए। शुभमन पहले भी गर्दन के दर्द से परेशान रहे हैं। गत वर्ष भी उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में गर्दन में दर्द उठा था।

कोलकाता टेस्ट में भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका ने 30 रन से हराया

एजेंसी, कोलकाता

कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में रविवार को दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय टीम को 30 रनों से हरा दिया है। मेहमान टीम ने दूसरी पारी में 153 रन पर सिमटकर भारत के सामने 124 रनों का लक्ष्य रखा था। भारतीय टीम ने पहली पारी में 189 रन, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 159 रन बनाए थे। भारतीय टीम की बल्लेबाजी दूसरी पारी में बेहद खराब रही और टीम रविवार को दूसरे ही सत्र में 93 रन पर ढेर हो गई। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाएगा। 124 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने एक रन के स्कोर पर दो विकेट गंवा दिए। पहले यशस्वी जायसवाल बिना खाता खोले आउट हो गए और फिर केएल राहुल भी मात्र एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए। लंच ब्रेक तक दूसरी पारी में भारतीय टीम ने दो विकेट खोकर 10 रन बनाए। लंच के बाद वाशिंगटन सुंदर और ध्रुव जुरेल ने संभल कर बल्लेबाजी की और भारत का स्कोर 30 रन के पार पहुंचाया। दोनों अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे कि इसी बीच जुरेल के रूप में भारतीय टीम को तीसरा झटका लगा। जुरेल 34 गेंदों पर 13 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद ऋषभ पंत भी जल्दी आउट हो गए। पंत ने 2 रन बनाए। भारतीय टीम का रवींद्र जडेजा के रूप में पांचवां विकेट गिरा। जडेजा 18 रन बनाकर आउट हुए। दूसरे छोर से संभल कर बल्लेबाजी कर रहे वाशिंगटन सुंदर भी 72 रन के कुल टीम स्कोर पर पवेलियन लौट गए। वाशिंगटन ने 92 गेंदों का सामना करते हुए 31 रन बनाए। इसके बाद कुलदीप यादव एक रन बनाकर आउट हुए। टीम को अभी भी 40 से ज्यादा रन बनाने थे। ऐसे में अक्षर पटेल ने तेजी से रन बटोरे और पहले एक चौका और फिर दो छक्के लगाए। इसी दौरान एक और बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में अक्षर अपना विकेट गंवा बैठे। अक्षर 17 गेंदों पर एक चौका और दो छक्कों की मदद से 26 रन बनाकर आउट हुए। अंत में मोहम्मद सिराज बिना खाता खोले आउट हो गए। भारतीय कप्तान शुभमन गिल पहली पारी में 4 रन के निजी स्कोर पर रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। वह गर्दन में चोट के कारण पूरे मैच से बाहर हो गए थे, जिस कारण भारतीय पारी 93 रन पर समाप्त हो गई। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से सिमोन हार्मर ने चार विकेट लिए, जबकि मार्को यानसेन और केशव महाराज ने दो-दो विकेट लिए। एडेन मार्करम को एक विकेट मिला। दूसरी पारी में दक्षिण अफ्रीका ने बनाए 153 रनइससे पहले आज सुबह दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी 153 रन पर ऑलआउट हुई। पहले सत्र में ही मेहमान टीम के शेष तीन विकेट गिर गए। कॉर्बिन बॉश 25 रन, सिमोन हार्मर 7 रन बनाकर आउट हुए। केशव महाराज खाता खोले बिना एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। दूसरे दिन दक्षिण अफ्रीका के सात विकेट गिरे थे। दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तान टेम्बा बावुमा ने शानदार बल्लेबाजी की और 55 रन बनाकर नाबाद रहे। भारतीय टीम के लिए रवींद्र जडेजा ने चार विकेट लिए। कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज ने दो-दो विकेट, जबकि जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल को एक-एक विकेट मिला। भारत ने पहली पारी में बनाए 189 रनभारत ने अपनी पहली पारी में 189 रन बनाए थे और 30 रनों की छोटी बढ़त हासिल की थी। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने सबसे ज्यादा 39 रन बनाए, जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 29 रनों की पारी खेली। इनके अलावा ऋषभ पंत ने 27, रवींद्र जडेजा ने 27, अक्षर पटेल ने 16, ध्रुव जुरेल ने 14, यशस्वी जायसवाल ने 12, कुलदीप यादव ने एक, मोहम्मद सिराज ने एक और जसप्रीत बुमराह ने नाबाद एक रन बनाए। कप्तान गिल चार रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए थे। दक्षिण अफ्रीका के लिए सिमोन हार्मर ने चार विकेट लिए, जबकि मार्को यानसेन को तीन सफलता मिली। केशव महाराज और कॉर्बिन बॉश ने एक-एक विकेट हासिल किया। दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम की शुरुआत भी उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी थी। शीर्ष क्रम पूरी तरह लड़खड़ा गया और पहली पारी में टीम 159 पर सिमट गई थी। उनके लिए एडन मार्करम ने 31 रन की सबसे बड़ी पारी खेली। बाकी कोई भी बल्लेबाज 30 रन के पार नहीं जा सका और भारतीय गेंदबाजों ने उन्हें दबाव में रखते हुए जल्दी-जल्दी पवेलियन भेजा। भारत की तरफ से पहली पारी में जसप्रीत बुमराह ने 5, कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज ने 2-2 और अक्षर पटेल ने 1 विकेट लिया।

व्यापार

टॉप 10 की 8 कंपनियों का मार्केट कैप 2 लाख करोड़ बढ़ा, भारती एयरटेल को सबसे ज्यादा फायदा

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण बीएसई की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 8 के मार्केट कैप में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदे में भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। दूसरी ओर टॉप 10 कंपनियों में से 2 कंपनियों के मार्केट कैप में 39 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इंफोसिस, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 2,05,185.08 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मार्केट कैप में 39,414.06 करोड़ रुपये की कमी हो गई। 10 से 14 नवंबर के बीच हुए कारोबार के दौरान भारती एयरटेल का मार्केट कैप 55,652.54 करोड़ रुपये उछल कर 11,96,700.84 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 54,941.84 करोड़ रुपये की छलांग लगा कर 20,55,379.61 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 40,75745 करोड़ रुपये बढ़ कर 11,23,416.17 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 20,834.35 करोड़ रुपये उछल कर 9,80,374.43 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मार्केट कैप 10,522.90 करोड़ रुपये उछल कर 8,92,923.79 करोड़ रुपये के स्तर पर, इंफोसिस का मार्केट कैप 10,448.32 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 6,24,198.80 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 9,149.13 करोड़ रुपये बढ़ कर 15,20,524.34 करोड़ रुपये के स्तर पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 2,878.25 करोड़ रुपये उछल कर 5,70,187.06 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 30,147.94 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 6,33,573.38 करोड़ रुपये के स्तर तक गिर गया। इसी तरह भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 9,266.12 करोड़ रुपये घट कर 5,75,100.42 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 20,55,379.61 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 15,20,524.34 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 11,96,700.84 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 11,23,416.17 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 9,80,374.43 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 8,92,923.79 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 6,33,573.38 करोड़ रुपये) इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 6,24,198.80 करोड़ रुपये), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) (कुल मार्केट कैप 5,75,100.42 करोड़ रुपये) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,70,187.06 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

अमेरिकी टैरिफ के चलते भारतीय खिलौना निर्यात पर संकट

- **खेल व स्पोर्ट्स सामान का निर्यात 8.9 फीसदी बढ़कर 302.6 मिलियन डॉलर पहुंचा**

मुंबई। वित्त वर्ष की शुरुआत में भारतीय खिलौना निर्यातकों के लिए माहौल सकारात्मक रहा। अप्रैल से अगस्त तक उत्सव, कार्निवल और मनोरंजन वाले खिलौनों का निर्यात 4 फीसदी बढ़कर 101.9 मिलियन डॉलर और कुल खिलौने, खेल व स्पोर्ट्स सामान का निर्यात 8.9 फीसदी बढ़कर 302.6 मिलियन डॉलर पहुंच गया। अमेरिका इस क्षेत्र का सबसे बड़ा बाजार है और अमेरिकी खरीदारों की एडवांस खरीदारी ने अप्रैल-अगस्त तक निर्यात को मजबूती दी। फनस्कूल इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, अमेरिकी त्योहारों के लिए शिपमेंट अप्रैल से शुरू होते हैं। 1 अगस्त से भारत पर अमेरिकी ड्यूटी 25 फीसदी और 27 अगस्त से 50 फीसदी कर दी गई। यह कदम भारत के रूसी क्रूड खरीदने से जुड़ा था। इसके बाद नए ऑर्डर अचानक कम हो गए और अमेरिकी खरीदार अब अन्य देशों की ओर रुख कर रहे हैं। टैरिफ के बढ़ने से भारतीय निर्यातक कीमतें घटाने और पैकेजिंग साधारण करने पर मजबूर हो गए। कई खिलौनों का आकार छोटा किया गया और फीचर्स कम कर दिए गए। दिल्ली के एक निर्यातक का कहना है कि कस्टमर अधिक डिस्काउंट मांग रहे हैं, वरना व्यवसाय वियतनाम जैसी जगहों पर चला जाएगा। अक्टूबर-नवंबर के त्योहार सीजन में साइकिल और अन्य खिलौनों की बुकिंग इस बार आधी रह गई है।

अगले सप्ताह खुलेंगे 2 नए आईपीओ, 7 कंपनियों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली। सोमवार यानी 17 नवंबर से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट की हलचल तुलनात्मक रूप से ठंडी रहने वाली है। इस सप्ताह सिर्फ 2 कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से 1 आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है, जबकि दूसरा आईपीओ एसएमई सेगमेंट का है। इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए लांच हुए दो कंपनियों के आईपीओ में भी 17 और 18 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो सात कंपनियों के शेयर इस सप्ताह लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत कर सकते हैं। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन 19 नवंबर को गैलार्ड स्टील का 37.50 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 21 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 142 रुपये से लेकर 150 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 25 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 24 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 26 नवंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। 19 नवंबर को ही एक्सेल सॉफ्ट टेक्नोलॉजीज का 500 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 21 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 114 रुपये से लेकर 120 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 125 शेयर का है। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 1.50 करोड़ नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके अलावा ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये भी 2.67 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 24 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 26 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इन नए आईपीओ की लॉन्चिंग के अलावा निवेशक पिछले सप्ताह 13 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुए फूजियामा पावर सिस्टम्स के 828 करोड़ रुपये के आईपीओ में 17 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 216 रुपये से लेकर 228 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 65 शेयर का है।

घरेलू सर्राफा बाजार में जोरदार गिरावट, सोना और चांदी के घटे भाव

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना और चांदी के भाव में जोरदार गिरावट नजर आ रही है। सोना आज 1,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,950 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी 4,200 रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,25,080 रुपये से लेकर 1,25,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,14,650 रुपये से लेकर 1,14,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,69,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो आज की गिरावट के बावजूद सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान मजबूती का रुख बनने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 3,060 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 2,800 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी इस सप्ताह जबरदस्त तेजी आई है। इस सप्ताह के कारोबार में ये चमकीली धातु पिछले सप्ताह की तुलना में 16,500 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगी हो गई है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,25,230 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,14,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,25,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,14,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,25,130 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,14,700 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,25,080 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,14,650 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,25,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,14,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,25,130 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,14,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

आमिर खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म हुई बंद

आमिर खान पिछली बार फिल्म 'सितारे जमीन पर' में नजर आए थे, जिसे दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने खूब सराहा। फैंस उनकी अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, लेकिन उनके अगले बड़े प्रोजेक्ट को लेकर निराशाजनक खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर की बहुप्रतीक्षित फिल्म भारतीय सिनेमा के जनक दादा साहेब फाल्के की बायोपिक अब बंद कर दी गई है। पहले आमिर निर्देशक लोकेश कनगराज के साथ एक सुपरहीरो फिल्म करने वाले थे, जिसमें उन्होंने उनकी फिल्म 'कुली' में कैमियो भी किया था। लेकिन 'कुली' के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन के बाद यह प्रोजेक्ट रोक दिया गया। अब वही हाल उनकी बायोपिक फिल्म का भी काम रोक दिया गया है जिसे लेकर वे खुद बेहद उत्साहित थे।

हिरानी और आमिर का बड़ा फैसला- रिपोर्ट के अनुसार, आमिर खान और निर्देशक राजकुमार हिरानी ने मिलकर इस प्रोजेक्ट को बंद करने का फैसला किया है। 'सितारे जमीन पर' के बाद से आमिर की किसी नई फिल्म का इंतजार लगातार बना हुआ है, लेकिन अब तक वह कोई नई स्क्रिप्ट फाइनल नहीं कर पाए हैं। कई चर्चाओं और बैठकों के बाद भी बात आगे नहीं बढ़ सकी। सूत्रों के मुताबिक, दादा साहेब फाल्के की बायोपिक बंद करने की मुख्य वजह इसकी स्क्रिप्ट ही रही। हिरानी और आमिर, जिन्होंने पहले '3 इडियट्स' और 'पीके' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में साथ काम किया था, इस बार भी एक मजबूत कहानी पेश करना चाहते थे, लेकिन कई बार स्क्रिप्ट लिखने के बावजूद वह कहानी वैसी नहीं बन पाई, जैसी उम्मीद की जा रही थी। दोनों ही कलाकारों का मानना है कि कंटेंट की क्वालिटी किसी भी प्रोजेक्ट से ज्यादा मायने रखती है इसलिए अधूरी या कमजोर कहानी के साथ आगे बढ़ना सही नहीं होगा।

जल्दबाजी नहीं करेंगे आमिर- बताया जा रहा है कि आमिर खान अब अपनी अगली फिल्म का ऐलान तभी करेंगे, जब उन्हें एक सटीक और दमदार स्क्रिप्ट मिलेगी। वह जल्दबाजी में कोई प्रोजेक्ट साइन नहीं करना चाहते। हालांकि उनके इस फैसले से फैंस निराश हो सकते हैं, लेकिन आमिर और हिरानी तभी दोबारा साथ आएंगे, जब उनके पास दर्शकों को मनोरंजन और संदेश दोनों देने वाली कहानी होगी।

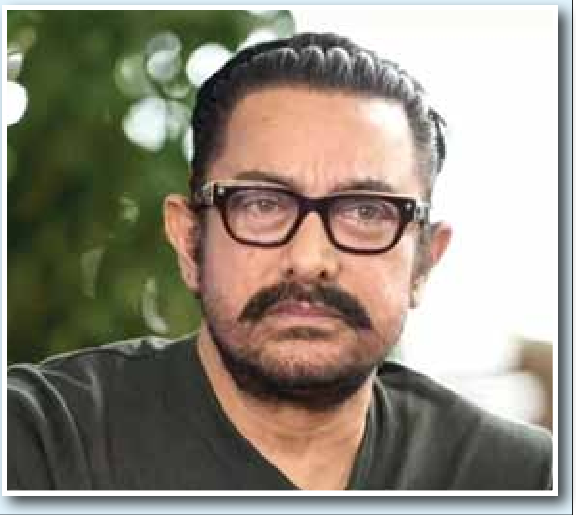

मुझे एक्सपेरिमेंट करना अच्छा लगता है: ट्विंकल खन्ना

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री से लेखिका बनीं ट्विंकल खन्ना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास पोस्ट साझा कर यह खुलासा किया कि उनकी नई किताब जल्द ही रिलीज होने वाली है। हालांकि उन्होंने किताब के शीर्षक और विषय के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी, लेकिन प्रशंसकों की जिज्ञासा को ज़रूर बढ़ा दिया है। पोस्ट में ट्विंकल ने लिखा, "मुझे नए-नए तरीकों से एक्सपेरिमेंट करना बहुत अच्छा लगता है, लेकिन एक चीज़ मैं कभी नहीं बदलती लगातार लिखते रहना। आपको बता दूं कि मेरी अगली किताब इस महीने के आखिर में आ रही है।" उन्होंने आगे लिखा, "आपको क्या लगता है, मेरी आने वाली किताब किस विषय पर होगी? चलिए, मैं आपको एक इशारा देती हूं इस बात को दस साल हो गए हैं।" ट्विंकल के इस संकेत से फैन्स यह अंदाज़ा लगाने में जुट गए हैं कि उनकी नई किताब उनके निजी जीवन, अनुभवों या किसी पुराने विचार पर आधारित हो सकती है। पोस्ट सामने आते ही उनके प्रशंसक उत्साहित हो गए और कमेंट सेक्शन में किताब के नाम और विषय को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाने लगे। किसी ने अंदाज़ा लगाया कि यह किताब उनके परिवार या रिश्तों पर आधारित होगी, तो कुछ ने कहा कि यह हास्य और सामाजिक व्यंग्य से भरी होगी जैसा कि ट्विंकल की पिछली रचनाओं में देखने को मिला है। ट्विंकल खन्ना ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1995 में फिल्म 'बरसात' से की थी, जिसके लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड से नवाजा गया था। इसके बाद उन्होंने 'जब प्यार किसी से होता है' (1998), 'बादशाह' (1999) और 'लव के लिए कुछ भी करेगा' (2001) जैसी फिल्मों में काम किया। साल 2001 में उन्होंने अभिनेता अक्षय कुमार से शादी की और इसके बाद फिल्मों से दूरी बनाकर एक नया रास्ता चुना। फिल्मों से अलग होकर ट्विंकल ने एक लेखिका और इंटीरियर डिजाइनर के रूप में अपनी नई पहचान बनाई। उन्होंने ' मिस्ट्रेस फनिबोन्स', ' द लीलेंड आफ लक्ष्मी प्रसाद' और 'पीजामास आर फारगिविंग' जैसी लोकप्रिय किताबें लिखीं, जिन्हें पाठकों ने खूब सराहा। वर्तमान में ट्विंकल खन्ना अपने टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' में बतौर होस्ट नज़र आ रही हैं। यह शो हर गुरुवार प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होता है और इसमें कई नामी सेलेब्रिटीज अपनी निजी और पेशेवर ज़िंदगी से जुड़ी दिलचस्प बातें साझा करते हैं। अब प्रशंसकों को ट्विंकल की आने वाली किताब का बेसब्री से इंतज़ार है। बता दें कि ट्विंकल खन्ना ने भले ही फिल्मों से दूरी बना ली हो, लेकिन वह अब भी अपने खास अंदाज़ और बेबाक विचारों के ज़रिए प्रशंसकों के बीच लोकप्रिय बनी हुई हैं।

संजय मिश्रा की 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' का नया पोस्टर रिलीज

अभिनेत्री महिमा चौधरी और संजय मिश्रा की जोड़ी पहली बार बड़े पर्दे पर नजर आने वाली है। उनकी आगामी फिल्म का नाम है 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी', जिसकी पहली झलक पोस्टर के साथ पहले ही जारी की जा चुकी थी। अब फिल्म के निर्माताओं ने इसका दूसरा पोस्टर भी रिलीज कर दिया है, जो मशहूर फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' के क्लासिक पोस्टर की याद दिलाता है। जिस तरह डीडीएलजे के पोस्टर में काजोल किताब और शाहरुख खान गिटार थामे नजर आए थे, वैसे ही महिमा और संजय भी नए पोस्टर में उसी अंदाज में दिखाई दे रहे हैं।

पोस्टर के कैप्शन ने खींचा ध्यान- अभिनेता संजय मिश्रा ने सोशल मीडिया पर फिल्म का नया पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, "हो ले जायेंगे ले जायेंगे, दिलवाले दुल्हनिया ले जायेंगे। अरे रह जायेंगे रह जायेंगे, पैसेवाले देखते रह जायेंगे।" पोस्टर में महिमा और संजय एक-दूसरे की पीठ से टिके बैठे हैं, दोनों के हाथों में किताबें हैं, जो एक मजेदार और नॉस्टैल्जिक अहसास दे रहा है। फिल्म का निर्देशन सिद्धांत राज कर रहे हैं। हालांकि, मेकर्स ने अब तक इसकी रिलीज डेट की घोषणा नहीं की है।

फैंस के बीच बढ़ा उत्साह- 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' का नया पोस्टर सामने आते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। दर्शक इस अनोखी जोड़ी को एक साथ देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। पोस्टर के जरिए फिल्म ने लोगों के दिलों में जिज्ञासा और हंसी दोनों जगा दी है, और अब सबकी नजरें इसकी रिलीज डेट पर टिकी हैं।

'हक' में किरदार को निभाने में मुझे दिक्कत नहीं हुई: वर्तिका सिंह

बालीवुड एक्ट्रेस वर्तिका सिंह ने कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'हक' के जरिए बॉलीवुड में कदम रख दिया है। फिल्म् हक को लेकर वर्तिका ने बताया कि उन्हें फिल्म के सेट पर अपने किरदार को निभाने में कोई दिक्कत नहीं हुई। वर्तिका ने अपने सह-कलाकारों, खासकर इमरान हाशमी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, "मुझे इमरान हाशमी के साथ काम करते हुए किसी तरह का स्टारडम का दबाव महसूस नहीं हुआ। वह बहुत ही जमीन से जुड़े और सहयोगी कलाकार हैं। वे हर किसी को समान महत्व देते हैं, जिससे नए कलाकारों को आत्मविश्वास मिलता है। उनके सहज रवैये की वजह से मैं अपने किरदार को बेहतर तरीके से निभा पाई।" वर्तिका ने यामी गौतम के साथ काम करने के अनुभव को भी खास बताया। उन्होंने कहा, "यामी के ज़्यादातर सीन इमोशन से भरे हुए थे, इसलिए सेट पर मजाक-मस्ती कम होती थी। वह हर सीन से पहले अपने किरदार के भावों में पूरी तरह उतर जाती थीं। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा, खासकर भावनाओं की गहराई बनाए रखने और छोटे-छोटे हावभाव के जरिए अभिनय को प्रभावशाली बनाने का तरीका।" अपनी भूमिका साइरा के बारे में बात करते हुए वर्तिका ने बताया कि उन्होंने इस किरदार में खुद को पूरी तरह समर्पित कर दिया था। उन्होंने कहा, "मैंने साइरा की मानसिकता और भावनाओं को समझने के लिए कविताएं लिखीं और उसके अतीत, पालन-पोषण और जीवन की परिस्थितियों पर नोट्स तैयार किए। इसने मुझे किरदार की जटिलताओं को गहराई से महसूस करने में मदद की।" फिल्म 'हक' की कहानी शाह बानो केस से प्रेरित है। इसमें यामी गौतम ने शाजिया नाम की महिला की भूमिका निभाई है, जबकि इमरान हाशमी उनके पति के किरदार में हैं। वर्तिका द्वारा निभाई गई साइरा, शाजिया के पति के प्यार में पड़ जाती है और उससे दूसरी शादी कर लेती है, जिसके बाद एक कानूनी जंग शुरू होती है। इस फिल्म का निर्देशन सूपर्ण वर्मा ने किया है। सामाजिक और भावनात्मक मुद्दों पर आधारित 'हक' को दर्शकों से सराहना मिल रही है।

निर्देशक राही बर्वे की नई फिल्म 'मायासभा' का ऐलान

2018 में रिलीज़ हुई हॉरर-फैंटेसी फिल्म 'तुम्बाड' ने भारतीय सिनेमा में अपनी अनोखी कहानी, विजुअल्स और गहराई से बुनी मिथक कथा के लिए खूब सराहना पाई थी। फिल्म के निर्देशक राही अनिल बर्वे ने दर्शकों को महाराष्ट्र की एक डरावनी लोककथा से रूबरू कराया था। अब करीब सात साल बाद राही एक बार फिर रहस्य और कल्पना की दुनिया में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने अपनी नई फिल्म 'मायासभा' की आधिकारिक घोषणा कर दी है, जो अपने रहस्यमय पोस्टर के कारण पहले ही चर्चा में आ चुकी है।

जावेद जाफरी निभाएंगे मुख्य भूमिका- राही अनिल बर्वे ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर 'मायासभा' का मोशन पोस्टर शेयर किया है, जिसमें एक बूढ़ा व्यक्ति चेहरे पर मास्क लगाए गहरी सांस लेता दिखाई देता है। यह किरदार कोई और नहीं बल्कि अभिनेता जावेद जाफरी हैं, जो इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। पोस्टर में उनका लुक इतना रहस्यमयी और दमदार है कि उन्हें पहचानना मुश्किल हो रहा है। रहस्य और रोमांच से भरपूर कहानी पोस्टर शेयर करते हुए राही ने कैप्शन में लिखा, "एक दशक पहले हमने एक पागलपन का खुलासा किया था, एक ऐसा प्रयोग जो अजीब, अथाह और अकल्पनीय था। अब वह अभिशाप टूट गया है। परमेश्वर खन्ना (जावेद जाफरी) की रहस्यमयी दुनिया आखिरकार सामने आ रही है। सोने की खोज का आनंद लें, जो अब शुरू होने वाली है।" इस कैप्शन से यह साफ है कि 'मायासभा' भी 'तुम्बाड' की तरह रहस्य, लालच और मानव स्वभाव की गहराइयों को खंगालने वाली फिल्म होगी। फिल्म में जावेद जाफरी के अलावा और कौन कलाकार नज़र आएंगे, इसकी आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है। हालांकि, जावेद के प्रशंसक उन्हें लंबे समय बाद किसी फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। राही की बहन और मशहूर कोरियोग्राफर फुलवा खामकर ने भी यह पोस्टर शेयर करते हुए भाई को शुभकामनाएं दीं। फिलहाल 'मायासभा' की रिलीज़ डेट का ऐलान नहीं हुआ है।

कैटरीना कैफ मां बनने के 7 दिन बाद अस्पताल से लौटीं घर

अभिनेत्री कैटरीना कैफ और अभिनेता विक्की कौशल हाल ही में माता-पिता बने हैं। 7 नवंबर को कैटरीना ने मुंबई के एच.एन. रिलायंस अस्पताल में अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। मां बनने के सात दिन बाद अब कैटरीना को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। खास बात यह है कि अभिनेत्री बाल दिवस के दिन अपने नन्हें बेटे को लेकर घर लौटीं और इस भावुक पल का वीडियो सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि विक्की कौशल अपनी पत्नी और नवजात बेटे का खास ख्याल रखते नजर आए। दोनों बेहद शांत और निजी अंदाज़ में अस्पताल से बाहर निकले, जिससे यह साफ झलकता है कि वे अपने बच्चे की प्राइवेसी को लेकर बेहद सजग हैं। कैटरीना को घर ले जाने के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम भी किए गए थे। बेटे के जन्म की घोषणा कपल ने 7 नवंबर को सोशल मीडिया पर एक दिल को छू लेने वाले पोस्ट के साथ की थी। उन्होंने लिखा था, "हमारी खुशियों की सौगात आ गई है... खूब सारा प्यार और आभार के साथ हम अपने बेटे का स्वागत करते हैं। 7 नवंबर 2025, कैटरीना और विक्की।" इस संदेश के बाद से बॉलीवुड सेलिब्रिटीज़ और फैन्स की ओर से बधाइयों का सिलसिला लगातार जारी है। कैटरीना और विक्की ने 9 दिसंबर, 2021 को राजस्थान में एक निजी और भव्य समारोह में शादी की थी। शादी के चार साल बाद उन्होंने मातृत्व और पितृत्व की इस नई यात्रा की शुरुआत की है। दोनों के करीबी सूत्रों के मुताबिक, कपल इन दिनों अपने बेटे के साथ क्वालिटी टाइम बिताने पर पूरी तरह फोकस कर रहा है और जल्द किसी भी प्रोफेशनल कमिटमेंट पर लौटने की कोई जल्दबाज़ी नहीं है। फैंस अब उत्सुक हैं कि कैटरीना कब अपने बेटे की पहली झलक दुनिया के साथ शेयर करेंगी, लेकिन फिलहाल कपल अपने छोटे से परिवार के साथ इस नए सुखद अध्याय का आनंद उठा रहा है।

Rajnath blames Marxist historians for neglecting Dalit, tribal contributions

New Delhi, Agency: Defence minister Rajnath Singh on Sunday blamed Marxist historians and the previous governments for deliberately neglecting contributions of Dalit and the tribal communities as he unveiled the statue of freedom fighter Uda Devi Pasi in Lucknow.

He said contributions of only a select few families in the freedom struggle were included in history books. "Dalit, Adivasi [tribal] and Pasi leaders were neglected," he said. Singh criticised the previous governments for overlooking the contribution of Pasi leaders in the freedom struggle.

"[Uttar Pradesh] chief minister Yogi Adityanath has given recognition and honour to such leaders of the freedom struggle," said Singh. He listed the contributions of Pasi leaders in the struggle.

Adityanath said Uttar Pradesh was the focal point of the 1857 revolt against the British and that Pasi leaders, including Uda Devi, contributed a lot to it. Adityanath cited steps his government has taken to inform students about the history and contribution of the Pasi community in the freedom struggle. "A separate book has been introduced in primary schools on the leaders of the Pasi and other communities who were neglected."

Prashant Kishor shaken, but is he stirred? Jan Suraaj fails to move the needle in Bihar

'RJD cannot stop BJP': AIMIM chief Owaisi's dig at Oppn after Bihar debacle

'Defending it's prince': BJP slams Congress' P Chidambaram over column on Bihar polls

Prem Chopra admitted to Lilavati Hospital, son-in-law confirms

'Calm person, never discussed religion': Ex-husband of arrested

doctor Shaheen Shahid

Sherlyn Chopra undergoes breast implant removal surgery; shares real reason: 'Since last couple of months I have...'

Chinese car fails to recreate Range Rover's viral 'Stairway to Heaven' climb, crashes through guardrail Adityanath said three women battalions of the Provincial Armed Constabulary have been named after Pasi leaders, including Uda Devi. He added that a monument of the 12th-century Maharaja Bijli Pasi was also coming up in Lucknow.

'As a proud Hindu Shashi Tharoor reacts to Assam minister's 'gobi farming' post

Assam, Agency: Amid the controversy over minister Ashok Singhal's "Bihar approves Gobi farming" post, Congress MP Shashi Tharoor weighed in after he was tagged by a user in a reply to the original post. Notably, social media users were shocked to see the "gobi farming" post by the Assam minister, who also received some backlash online.

One of the users, @isaifpatel on X, replied to Singhal's post, saying that a cabinet minister, no less, is "glorifying the massacre of 116 Muslims to celebrate an election victory". He tagged Tharoor and asked if the senior Congress leader could get a few influential Hindu leaders to condemn this "normalisation of one of the worst pogroms perpetuated against Bihari Muslims".

The Congress MP then responded to this post, indirectly replying to the Assam leader's "gobi farming" post. Tharoor said that he is not a community orgser, so joint statements are not his job.

"But as a passionate advocate of InclusiveIndia and a proud Hindu, I can speak for myself, and for most Hindus I know, in saying that neither our faith nor our nationalism requires, justifies or condones such massacres, let alone applauds them," he added.

What does the "gobi farming" post mean

The photo, many users on social media said, is linked to the "cauliflower burial case" or the Logain massacre, an incident that took place during the Bhagalpur communal riots in 1989 in Bihar.

Reports said more than 110 Muslims were killed in Logain, a village in the Goradih block of Bhagalpur district, and cauliflower saplings were placed on the ground where the bodies had been buried.

Did Shashi Tharoor condemn the post?

While the Congress leader said that his faith does not require, justify or condone such massacres, one user replied to him asking if he condemned the "gobi farming" post.

The X user said, "But you didn't say you condemn it." Responding to him, Tharoor said, "That's exactly what I did! I condemned it."

Empty claims': Chirag Paswan refutes Jan Suraj's 14,000 crore 'World Bank funds diverted' claim

New Delhi, Agency: Union Minister Chirag Paswan dismissed on Sunday the claims made by Jan Suraaj's spokesperson Pavan Varma about the central government "diverting" funds from World Bank for the Bihar Assembly elections.

While reacting to the allegations, Paswan questioned where Varma got his information from and labelled his claims as "empty".

"Where do they get this data from, this information from... Making empty claims - if you have any facts, present it and the Govt will respond," news agency quoted Paswan as saying.

After not winning even a single seat in the 2025 Bihar assembly polls, Prashant Kishor-led Jan Suraaj made a bold claim that the National Democratic Alliance diverted funds from the World Bank for the polls.

In an interview with , Jan Suraaj's spokesperson Pavan Verma alleged that the Centre pulled funds which were meant for another project from the World Bank and used them to districute money among women voters during the Bihar Assembly elections.

Ahead of Bihar polls, 1.25 crore women voters received 10,000

under the Mukhyamantri Mahila Rojgar Yojana.

Varma added that Bihar's public debt currently is around 4,06,000 crores and the interest per day on it is 63 crores.

"Just an hour before the model code of conduct was implemented, 14,000 crores were withdrawn and 10,000 each was allocated to 1.25 crore women…" Varma said.

"As I have said, this is our information. If it is wrong, I seek forgiveness. But if it is true, then the question arises as to how far this is ethical, " he added.

Varma also claimed that there were rumours circulating in Bihar that the remaining amount would not be released if the was not voted to power.

Heavy rain likely in parts of Tamil Na-du Chennai; IMD issues orange alert

Chennai, Agency: The Indian Meteorological Department predicted light to moderate rainfall at isolated places in Chennai and Tamil Nadu on Sunday. The rainfall prediction is triggered by a low-pressure area being formed over the southwest Bay of Bengal, off the coast of Sri Lanka.

According to IMD warning, heavy to very heavy rainfall is likely to occur at isolated places over Villupuram, Chennai, Chengalpattu, Cuddalore, Mayiladuthurai, Nagapattinam, Tiruvarur of Tamil Nadu and Puducherry & Karaikal area.

For tomorrow, IMD said that heavy to very heavy rainfall can occur at a few places over Chengalpattu, Kancheepuram, Villuppuram, Puducherry, Thoothukudi, and Kanyakumari districts

Orange and yellow alert issued

An orange alert has been issued for today in Tamil Nadu's Pudukkottai, Thiruvarur and Mayiladuthurai. While a yellow alert has been sounded in Thoothukudi, Madurai, Nilgiris and Sivagangai, among other places.

A yellow alert has been issued for the entire Kerala, according to the Met Centre Thiruvananthapuram warning.

Last month, widespread rain lashed Chennai and other parts of Tamil Nadu. Meanwhile, Deputy CM Udhaydhi Stalin inspected the infrastructure development of the state and renovation works being undertaken in the south Chennai area to improve the waterways, PTI reported.

The warning said that under the influence of upper air cyclonic circulation, a low-pressure area was formed over the Southwest Bay of Bengal on 15 November. Heavy rainfall in these regions is likely due to this low-pressure area. It also forecasted squally weather and wind speed reaching 35 kmph to 45 kmph to prevail along and off the Tamil Nadu coast.Further, fishermen are advised not to venture near sea areas during these days.

Raipur: Deputy Chief Minister meets with villagers at Janchaupal to dis-cuss village development.

Deputy Chief Minister Sharma held Janchaupal in every vil-lage, promptly resolving villagers' problems.

Raipur. Deputy Chief Minister Vijay Sharma conducted an extensive tour of the Kawardha Assembly constituency on Sunday, organizing Janchaupal in every village. The highlight was his simple, easygoing approach, sitting on the ground with the villagers. The villagers, rejoicing at the presence of their representative, shared their concerns with the Deputy Chief Minister. The Deputy Chief Minister discussed the necessary steps for village development and assured him of ensuring all necessary amenities. Everyone sat around him, as if surrounding the elder of the family. Deputy Chief Minister Sharma also met with everyone with such warmth that everyone was captivated.Deputy Chief Minister Sharma held Janchaupal in the villages of Balwadi Rajadhar, Taraiyabahara, Bothi, Jhalmala, and

Sheetalpani. Where the local villagers also placed their problems and demands before him and he resolved all of them promptly. He also organised a public meeting at Chilfi Circuit House where a large number of villagers reached, where he listened to the problems of every citizen and gave necessary instructions to the concerned officials.During his visit, he gave detailed information to the villagers about the SIR process being conducted by the Election Commission and explained the entire process and asked everyone to be cautious of false facts and rumours. He also explained the provisions of SIR in detail to everyone.During this, as per the long-awaited demand of the villagers, the Deputy Chief Minister performed Bhoomi Pujan for the construction of a new Panchayat Bhawan in village Sheetalpani and extended best wishes to the villagers.

SIR in West Bengal: Kolkata's Sonagachi sex workers demand inclusion in voter list

Kolkata, Agency: Sex workers in Kolkata's Sonagachi area are urging the government to include their names in the voter list as the Special Intensive Revision (SIR) process begins in Bengal. Many sex workers fear being left out due to a lack of documentation, with some having no connection with their parents or original homes.

The Durbar Mahila Samanwaya Committee, an NGO working for sex workers, has submitted a written appeal to the Chief Electoral Officer, West Bengal, demanding special verification camps within Sonagachi. They're proposing on-site registration drives, allowing sex workers to self-declare their residence with NGO or peer verification.

Secretary of the Durbar Mahila Samanwaya Samiti, Sonagachi, Bishakha Laskar, urged the government to enrol the names of sex workers in the voter list.

Speaking to ANI, she underlined that most of them (sex workers) are not in touch with their families, since they left their homes years ago.

"Sex workers are facing problems with the Special Intensive Revision (SIR) because not everyone has their documents. This is because many have left their homes and have no connection with their families... Our demand is that it would be good if the names of sex workers are included (in the voter list) based on the documents they have..." she said.

Furthermore, she highlighted that the sex workers received their Voter ID Card in 2002. Only after that did they start voting.

"Sex workers received the official voter ID cards in 2002... Prior to that, they had no voter ID cards...We began exercising our voting rights after 2002...Naturally, our name won't be present in the 2002 voter list..." she said.

Laskar stated that now several sex workers have official documents such as Aadhaar Card, PAN Card, Ration Card, etc. She urged the government to consider these documents.

"Now some people have documents like Aadhaar Card, PAN Card, Ration Card, Passport, electricity bill, etc...We urge the government to add their names in the SIR on the basis of these documents, it will benefit the community..." she stated.

She outlined that the committee has sent a written application for at least 12,000 sex workers present at Sonagachi brothel to the authorities, demanding the enrollment of sex work-

ers' names in the voter list on the basis of the available documents.

"There are a total of 12,000 sex workers at Sonagachi brothel, out of which 8,000 reside here and the rest 4,000 fly for work regularly...These sex workers are facing a lot of issues, that's why we have sent the letter to the Election Commissioner...We are waiting for a response..." she said.

The Election Commission has assured that special measures are being taken to ensure that all eligible citizens are included.

The Election Commission of India (ECI) announced on Saturday that over 95% of Special Intensive Revision (SIR) Enumeration Forms have been distributed across 12 states and Union Territories in Phase II.

According to the Daily Bulletin issued at 3 PM today, the ECI confirmed that 48,67,37,064 SIR forms have been successfully delivered to electors out of the 50,97,43,173 printed, covering regions - Andaman and Nicobar, Chattisgarh, Goa, Gujarat, Kerala, Lakshad weep, Madhya Pradesh, Puducherry, Rajasthan, Tamil Nadu, Uttar Pradesh and West Bengal.

Over 5.33 lakh Booth Level Officers (BLOs) and 10.41 lakh Booth Level Agents (BLAs) have been deployed. With 6.41 crore electors.

Tamil Nadu has distributed 5.90 crore forms, achieving a 92.04% coverage. Uttar Pradesh, the state with the highest number of electors (15.44 crore), has attained a distribution of 94.37%.In contrast, smaller regions, such as Goa and Lakshadweep, achieved 100% distribution. Form distributed in Gujarat - 98.58%; Madhya Pradesh: 98.38%; Rajasthan: 97.32%; West Bengal: 98.08%; and Puducherry: 93.88%. Only Kerala, at 87.54%, remains below the 90% mark.

Currently, a nationwide SIR phase two is being carried out in 12 states and union territories, with the final elector's list to be published on February 7, 2026. According to the Election Commission, printing and training took place from October 28 to November 3, followed by an Enumeration Phase from November 4 to December 4.